

रणबीर कपूर की फिल्म को बनाते हैं सबसे अलग! पहले कभी नहीं देखे होंगे ऐसे सीन्स

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 30
न्यूनतम - 18

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 308 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 12 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

वो यूपी चुनाव में मुझे अंदर रखना चाहते हैं

● आजम खान बोले-ऐसे तो मैं जेल में ही मर जाऊंगा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान की जमानत याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। कोर्ट ने गुरुवार को उनकी याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दी। आजम ने कहा- मैं हर मामले का सामना करूंगा, लेकिन मुझे जमानत चाहिए। मैं 80 साल का हूं। मुझे ईडी के अलावा 28 अन्य मामलों में गिरफ्तार किया गया। ऐसे तो मेरी मौत जेल में ही



हो जाएगी। उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कहा- जिस समय मुझे रिहा किया जा रहा था, ठीक उसी समय ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। वे बस यही चाहते हैं कि चुनाव के दौरान मैं जेल के अंदर ही रहूं। आजम खुद सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ये बातें अपने वकील कपिल सिब्बल के जरिए कोर्ट से कहीं। कोर्ट ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह इस मामले को 16 नवंबर से पहले एक डिवीजन बेंच के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। बेंच 16 नवंबर को ही आजम की याचिका पर अंतरिम आदेश पास करे। 31 अक्टूबर को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में आजम को रामपुर जेल से निकलते ही गेट पर गिरफ्तार कर लिया था। अगले दिन सुबह विशेष कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जेल भेज दिया था।

शरद पवार बीमार, मोदी ने फोन पर जाना हाल

● पीएम बोले-सुप्रिया तैयार हैं,मिलकर देश संभालेंगे

मुंबई/नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी-शरद प्रमुख शरद पवार को बुधवार को नियमित मेडिकल जांच के लिए मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें एक दिन पहले ही पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी मिली थी। पवार को खांसी और सांस लेने पर सीने में दर्द की शिकायत के बाद 2 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीएम मोदी ने पवार को अस्पताल में भर्ती कराए जाने पर उनसे फोन पर बात की थी। उन्होंने पवार से कहा कि सुप्रिया अब तैयार हैं। सुप्रिया और हम मिलकर देश संभालेंगे। आप आराम कीजिए। शरद पवार और पीएम की ओर से इस बातचीत की पुष्टि नहीं की गई है। यह जानकारी पवार के करीबी विट्ठल मनियार ने मीडिया से बात करते हुए दी। विट्ठल के मुताबिक पवार ने जवाब दिया- मैं आराम कर रहा हूं। जब आप सभी साथ हैं, तो मुझे देश की कोई चिंता नहीं है।



दरअसल, रविवार को एनसीपी के कई बड़े नेता डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ के बिना गृह मंत्री शाह से मिले थे। इसके बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पार्टी के दोनों धड़ों के विलय की खबर आई थी। हालांकि,इन्हें खारिज कर दिया।

निशांत कुमार बनेंगे उपमुख्यमंत्री तो विजय चौधरी जेडीयू कार्यकारी अध्यक्ष

बिहार में बड़े उलटफेर की सुनाई दे रही आहट!





पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में अब मिशन निशांत शुरू हो गया है। जनता दल (यू) की बैठक में माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री के पद पर निशांत कुमार की ताजपोशी संभावित है। 'मिशन निशांत' की पहली कड़ी कल से शुरू हो जाएगी। यहां से शुरू होगा निशांत के 'भविष्य' की प्लानिंग। कुल मिलाकर बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की चर्चा शुरू हो चुकी है। नीतिश कुमार के बेटे निशांत डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। इसके साथ ही जदयू में भी बड़े उलटफेर की संभावना है। फिलहाल, जेडीयू के कोटे से विजय चौधरी और विजेंद्र यादव उपमुख्यमंत्री हैं। दोनों ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इन दोनों की जगह इकलौते निशांत कुमार डिप्टी सीएम बनेंगे। यानि, जेडीयू कोटे से सिर्फ निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री की कुर्सी दी जाएगी। जदयू के सूत्रों की माने तो आज विजय चौधरी उपमुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देंगे और निशांत कुमार उपमुख्यमंत्री रहते हुए स्वास्थ मंत्री भी बने रहेंगे। कहा ये जा रहा है कि विजय कुमार चौधरी को प्रमोट कर जनता दल (यू) का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा। पार्टी नेतृत्व ने संजय झा के लिए कुछ और सोच रखा है।

तो संजय झा बनेंगे केंद्रीय मंत्री

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के बारे में चर्चा है कि इन्हें केंद्रीय मंत्री बनाने की प्लानिंग है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का जब विस्तार होगा तो इन्हें एडजेस्ट किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का भविष्य बीजेपी नेतृत्व को तय करनी है। अब या तो दोनों मंत्री बने रहेंगे या कोई एक यह भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर करता है। दरअसल, बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजों पर मंथन को लेकर जेडीयू की बैठक हुई। इसमें राज्य के कई बड़े नेता शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने की। इसमें पार्टी के प्रमुख नेता और सभी जिला अध्यक्ष शामिल हुए। इसका मुख्य एजेंडा एमएलसी चुनाव में जेडीयू और एनडीए के खराब प्रदर्शन और हार के कारणों की समीक्षा करना मुख्य एजेंडा रहा। एमएलसी चुनाव में जेडीयू चार सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जिसमें से उसे केवल एक सीट (पटना स्नातक सीट, जिस पर नीरज कुमार जीते) पर सफलता मिली।

तमिलनाडु सीएम का दीवाली पर बड़ा तोहफा

● सिर्फ 100 रुपए में मिलेगी 10 सब्जियों की विशेष किट

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय ने दीवाली के लिए सब्जियों का एक विशेष पैकेज पेश किया है। इसमें 10 जरूरी चीजें शामिल हैं और इसकी कीमत सिर्फ 100 रुपए है। इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी जिन्हें त्योहारों के इस मौसम में खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। 'वेट्री स्पेशल वेजिटेबल पैकेज' नाम की इस पहल को राज्य सहकारिता विभाग के माध्यम से लागू किया जा रहा है। यह 5 से 7 नवंबर तक तमिलनाडु भर के 218 चुनिंदा सहकारी केंद्रों पर उपलब्ध होगा।इस योजना की औपचारिक शुरुआत चेन्नई में पूंगा नगर कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर के 15वें मेन रोड आउटलेट पर की गई। शहर में चार मोबाइल सब्जी वाहन भी तैनात किए गए हैं ताकि ये पैकेज ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंच सकें। हर पैकेज में लगभग 2.55 से 2.60 किलोग्राम सब्जियां और खाना पकाने की अन्य जरूरी



सामग्री है। इन्हें इस तरह चुना गया है कि एक आम परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी हो सकें। 100 रुपए की इस किट में 500-500 ग्राम प्याज और टमाटर, 250-250 ग्राम बैंगन और आलू, 200-200 ग्राम गाजर और बीन्स, 100-100 ग्राम हरी मिर्च और नींबू, 50 ग्राम अदरक और 400 से 450 ग्राम वजन का एक नारियल शामिल है।

तीन दिनों तक बिकेगी ये किट

तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान सहकारी केंद्रों के सामान्य कामकाज के समय में ये किट उपलब्ध रहेंगी। भाग लेने वाले केंद्रों पर पर्याप्त स्टॉक का इंतजाम किया गया है। साथ ही, जिलास्तरीय सहकारी समन्वयकों और क्षेत्रीय अधिकारियों को वितरण की निगरानी करने और बिना किसी रुकावट के आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने अधिकारियों से यह भी कहा है कि वे खरीद केंद्रों और खुदरा बिक्री केंद्रों के बीच अच्छा तालमेल रखें, ताकि त्योहारों की खरीदारी के दौरान सब्जियों की कोई कमी न हो।

यूजीसी के जातिगत भेदभाव वाले नियमों की होगी समीक्षा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह 'यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) रेगुलेशंस, 2026' की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। कोर्ट ने इस साल की शुरुआत में इन नियमों पर रोक लगा दी थी।



सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया, सरकार इस मामले की जांच कर रही है ताकि छात्रों की चिंताओं का समाधान हो सके और कोई भी वर्ग असंतुष्ट या आशंकित महसूस न करे। मुख्य न्यायाधीश ने हर छात्र के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कोर्ट ने याचिकाओं की इस सुनवाई को चार सप्ताह के लिए टाल दिया है। यह मामला 'अबेदा सलीम तडवी बनाम भारत संघ' और इससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित है।

राहुल बार-बार फेल होने वाले लड़के जैसे

● सीएम योगी बोले-हारने पर कहते हैं ईवीएम खराब है ● गाजियाबाद में हुई बीजेपी की अराजकता हटाओ रैली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- कांग्रेस के शासनकाल में घोटाले पर घोटाले हुए। आज यही कांग्रेस लोकतंत्र की बात कर रही है, जबकि 1975 में इसी पार्टी ने देश में आपातकाल लगाया था। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा- उनकी स्थिति बार-बार फेल होने वाले उस लड़के जैसी हो गई है, जो हर बार अपनी नाकामी का नया बहाना बनाता है। चुनाव जीतने पर ये अपनी मेहनत का श्रेय लेते हैं और हारने पर ईवीएम को दोषी ठहराते हैं। सीएम योगी ने ये बातें 'लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान कहीं। जनसभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने करीब



1600 मीटर तक पैदल यात्रा की। पदयात्रा में सीएम योगी हाथ में भाजपा का झंडा लेकर सबसे आगे चल रहे थे। उनके साथ यूपी प्रभारी विनोद तावड़े, कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देख सपाई, बिटियां घबराईं

योगी ने कहा कि सपा सरकार के समय बरेली, संभल, बुलंदशहर, मेरठ और सहारनपुर में दंगे हुए। उस समय कहावत थी- जिस गाड़ी में सपा का झंडा, समझो उसमें बैठा है कोई कुख्यात गुंडा। उन्होंने कहा- देख सपाई, बिटियां घबराईं। योगी ने कहा कि 1 नवंबर 1984 को दिल्ली की सड़कों पर हिंदू और सिख समुदायों के बीच तनाव पैदा हुआ था। इसी तारीख को कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में चुनाव आयोग के खिलाफ रैली की। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील दिन पर संवेदना जताने के बजाय रैली की गई।

दीपावली का पर्व

प्रेम, सद्भाव और सेवा का संदेश देता है

: लखमेंद्र खुराना :

वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति एवं मुंबई इस्थ्यॉन के अध्यक्ष ने दीपावली पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं



"दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, करुणा, सेवा और मानवता का प्रकाश फैलाने का अवसर है।"

सीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो अंधकार पर प्रवयवा, अवसाद पर इस्र्य और निराशा पर आशा की किरण को संचार येता हैं। यद त्मोहार हमें अपने जीवन में खेा, सद्भान, भाईजागे और मानतीय इस्थों और अपनाने की प्रेरणा देता है। दीपावली के पावत अवसर पर ररिक अयातांसेधी, ददोर्घोंतों एवं मुंवई इस्थों-के अध्यक्ष लखमैयर खुराना मे देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समुद्धि, शांति और उन्नत स्वारथ्य की कांमना की।

सेवा और करूणा से सार्थक बनेगा दीपावली का उत्सव

लेखमेंदद्र खुराना ने कहा कि दर्पिन्नली की वास्तविक खुशी लभी है, जब समाज का प्रत्वेक वर्ग इन खुशियों में सहभागी बने। दीपावली पर हमें जरूवतमंद परिवारों, आर्थिक रूप के कमजोर लोगों, बुजुगों और असहाव वगनिःयों की सहायता के लिए आने आना याहिए। किसी जस्रतमंद के घर में खुरियां पहुंचाना, किसी बच्चे के चेहरे पर मुश्कान लाना और किसी निराश व्यक्ति को आमकि रूप से भी सहारा देना ही सव ख्ी दीपावली हैं।

आध्यात्मिकता, परिवार और रिश्तों से बलेगा जीवन संतुलित

लखमेंदद्र खुराना ने कहा कि भारवान शीकुस्या की शिक्षान हमें धैर्य, फ्रर्तव्य, प्रेम और निस्स्वार्थ सेवा का यार्ग दिखाती हैं। दीपावली जैसे पर्व हमें अमने परिवार के साथ समय बिताने, रिश्यों में आई दूरिओं को समाप्त करने और समाज में सकाराग्मक बातावरण बनाने का अवसर देते हैं। आज के समांज जीवन में ममुष्य को भीतिक उपलब्मियों के साथ-साथ मानम्कि शांति और आध्यात्मिक संतुलन की भी आवश्थकता है। त्योहार हमें इसी संवुलन का महत्व समझाते हैं।

व्यापार और उद्योग के लिए भी नई उम्मीदों का पर्व

यह उद्योगपातिं के रूप में लखमेंदद्र खुराना ने कहा कि दीपावली व्यागारिक जगत के लिए भी नई उम्मीदों, नए संकल्पों और नई संभावमेर्धा का पर्व है। व्यापार और उद्योग की प्रगति तभी संभव है, जव उसमें इंमानदारी, मेहनत ओर सुभावता को वेद्र में रखा जाए। उन्होंने कहा कि इम पर्व पर सभी व्यापारी वर्ग देशहित में कार्य करें, रोवगार के नए अवसर पैदा करें और आर्थिक सपुद्धि के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वहन करें।

सभी के लिए सुख, समृद्धि और खुशहालीं की कामना

लखमेंदर खुराना ने अत में कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व इम सभी के जीवन में नई उर्जा, नई उम्मीद और नई प्रेरणा लेकर जाए। उन्होंने सभी से अपील की कि दीपावली के त्योहार को केवल व्यतिमता सुख तक सीमित न रखें, बल्कि इसे समाज, राष्ट्र और मानवता की भलाई के लिए भी समर्पित करें। आइए, इम सब मिलकर ऐसा दीप जलाएं, जो केवल हमारें घर ही नहीं, बल्कि गूरे समाज और देश के जीवन में उजाला करे।

सभी के लिए मंगलकामना

उन्होंने सभी देशलासियों के लिए मंगलकामना करते हुए कहा कि मॉ लक्ष्मीं और भगवान श्रीकृष्ण की कुपा से प्रत्लेक हर में सुख-समुद्धि का वारा हो, युवाओं को सफलता के नए अवसर मिलें, व्यापार एवं उद्योग उन्नति करे और समाज में शांति तथा सद्भाव बना रहे। अंत में उन्होंने देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइए, इम दीपावली पर हम केवल अपने घर के ही नहीं, बल्कि अपने विवारों, व्यवहार और समाज के भी प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानवता के प्रकाश से आलोकित करें।

शुभ दीपावली!

सुप्रीम कोर्ट बोला-देरी होने पर व्यक्ति को रिहा करना होगा

बम-बम बाजार, धनतेरस से पहले 'धनवर्षा' आसमान पर पहुंचा शेयर बाजार, भारी उछाल

● सेंसेक्स 2009 और निफ्टी 576 अंक उछला ● साल 2026 की यह दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

मुंबई (एजेंसी)। धनतेरस से एक दिन पहले 5 नवंबर को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 फीसदी चढ़कर 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 फीसदी की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में इस बड़ी तेजी में निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है। इनकी कमाई में लगभग 9 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर लिस्टेट कंपनियों का मार्केट कैप लगभग 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर अब करीब 503 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है।

भारतीय शेयर बाजार में इस तेजी की प्रमुख बड़ी वजहों में ये शामिल हैं-अमेरिका में ट्रंप के मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बाद पश्चिम एशिया में तनाव के समाधान की बढ़ी उम्मीदें, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट, भारतीय रुपया 2 हफ्ते के सबसे हाई स्तर पर, विदेशी निवेशकों की तगड़ी खरीदारी। हाल ही में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हुए थे। इसके नतीजों ने प्रेसीडेंट ट्रंप की पार्टी को तगड़ा झटका दिया है। चुनाव में ट्रंप की करारी हार हुई है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के दोनों सदनों सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स पर अपना कंट्रोल खो दिया है। ट्रंप की इस हार के बीच पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान में जारी तनाव में कमी आने की संभावना है। दुनिया अब इस युद्ध को खत्म होनी की उम्मीद करने लगी है।



कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव से होर्मुज भी बाधित रहा, लेकिन अब इसके पहले की तरह खुलने की संभावना ने दुनिया में कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों से राहत दी है। होर्मुज कच्चे तेल के परिवहन के लिए एक अहम समुद्री रास्ता है। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शेयर बाजार में तेजी को बढ़ाने वाली वजहों में तेल की कीमतों में गिरावट भी शामिल मानी जा रही है। कच्चे तेल की कीमत अब 95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, जो एक समय पर 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चली गई थी। एक्सपर्ट इसमें और भी गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं।

भारतीय रुपया 2 हफ्ते के सबसे हाई स्तर पर

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपये में भी बड़ी तेजी दिखी है। यह पिछले 2 हफ्ते के सबसे हाई स्तर पर पहुंच गया है। आज जब रुपया खुला तो अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.3 फीसदी बढ़कर 94.35 के लेवल पर पहुंच गया। जानकार बता रहे हैं ऐसा तब हुआ जब तेल की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं, भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी देखी जा रही है। बीते कारोबारी सत्र यानी कि बुधवार को विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर मार्केट में कुल 7284 करोड़ रुपये की तगड़ी खरीदारी की है। हालांकि, घरेलू निवेशकों ने 3712 करोड़ रुपये की बिक्री की है। विदेशी निवेशकों के द्वारा भारतीय बाजार में इस दिलचस्पी ने मार्केट को मजबूत करने में मदद की है।

अनमोल वचन

अमेरिका के धन कुबेर हेनरी फोर्ड ने कहा था " बहुधा देखा जाता है कि जिसके पास धन सम्पत्ति अथवा पद प्रतिष्ठा की सुविधाएँ रहती हैं वे सदैव अनेकानेक मित्रों से घिरे रहते हैं किंतु सच्ची बात तो यह होती है कि उस धनी प्राणी को घेरे रहने वाली भीड़ में सच्चा मित्र कदाचित ही कोई हुआ करता है। अधिकांश लोग लोभ लालच से ही उसके साथ लगे रहा करते हैं और स्वार्थ सिद्ध हो जाने पर अपना रास्ता पकड़ लेते हैं।" यदि धनी (ऐसे) व्यक्तियों को सच्चे मित्रों की उपलब्धि हो पाती तो यह आह भरी अभिव्यक्ति संसार के धन कुबेर कहे जाने वाले व्यक्ति के द्वारा न की जाती। मित्रता अच्छी बात है वह आवश्यक भी है। किंतु गलत व्यक्ति से मित्रता करने की अपेक्षा मित्र का अभाव हजार गुणा अच्छा है। यदि सज्जन शिष्ट, शालीन एवं सच्चरित्र व्यक्ति मिल सके तब तो मित्रता के बीजों का वपन करना चाहिए अन्यथा अपने पुत्रों, पौत्रों, पत्नि तथा अन्य अच्छे सम्बन्धियों को ही मित्र मान कर उनसे ही यह सम्बन्ध घनीभूत करना चाहिए। स्वयं उनके अच्छे मित्र बनें और अपनी सच्चाई तथा शालीनता से उनको सच्चा मित्र बना लें। याद रहे दूसरों से वफादारी की अपेक्षा से पूर्व हमें भी वफादारी के मानक पर खरे उतरना एक अनिवार्य शर्त है।

चरथावल में भाजपा नेता के संस्थान से करोड़ों के पटाखों का जखीरा बरामद: पुलिस की कार्रवाई रोकने को सिफारिश की भी चर्चाएं

दीपोत्सव और आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत हुई रेड

मुजफ्फरनगर। चरथावल कस्बे में दीपोत्सव और आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कस्बा स्थित बस अड्डे के समीप भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ भाजपा नेता तथा स्थानीय गांधी इंटर कॉलेज के प्रबंधक मनीष गर्ग के व्यापारिक/निजी संस्थान पर पुलिस ने भारी दलबल के साथ छापेमारी की। इस दौरान परिसर से अवैध रूप से स्टोर करके रखा गया करोड़ों रुपये मूल्य का पटाखों का विशाल जखीरा बरामद किया गया है। मामले को रफा-दफा करने के लिए सिफारिश की चर्चा

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पटाखों के पकड़े जाने की सूचना इलाके में फैली, हड़कंप मच गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई शुरू होते ही सत्ता पक्ष के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई। कस्बे में यह चर्चा जोरों पर है कि प्रदेश सरकार के एक प्रभावशाली नेता ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए स्थानीय पुलिस व पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने तथा पूरे प्रकरण को शांत या रफा-दफा कराने की सिफारिश की है। हालांकि, पुलिस इस



पूरे मामले में कागजी औपचारिकताओं और जांच की बात कह रही है।

रिहाइशी व भीड़भाड़ वाले इलाके में रखा था बारूद का ढेर

चरथावल बस अड्डे का इलाका बेहद व्यस्त और आवाजाही वाला माना जाता है। ऐसे मुख्य चौराहे और घनी आबादी वाले क्षेत्र के पास बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों के करोड़ों रुपये के विस्फोटक व आतिशबाजी का सामान जमा कर रखना किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकता था। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस कार्रवाई पर राहत तो जताई है, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर बिना वैध अनुमति के पटाखों के भंडारण पर सवाल भी खड़े किए हैं। प्रशासनिक रुख और आगे की कार्रवाई घटना के बाद से ही हालांकि क्षेत्र में तरह-तरह की राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चाएं गर्म हैं। एक तरफ जहां स्थानीय पुलिस बरामद आतिशबाजी के वैध कागजातों और लाइसेंस की जांच में जुटी होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर आम जनता की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सत्ताधारी दल के वरिष्ठ नेता से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई करती है या राजनीतिक सिफारिश के आगे मामला ठंडा पड़ जाता है। समचार लिखे जाने तक पुलिस कागजातों की जांच करके मामले को दर्ज करने की औपचारिकता करने में जुटी है।

जातिगत टिप्पणी के विवाद में विधायक पंकज मलिक की एंट्री, बोले- नेताओं को भाषा की मयार्दा और समाज के सम्मान का रखना चाहिए ध्यान



मुजफ्फरनगर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय वर्मा की कथित जातिगत टिप्पणी को लेकर जिले में विवाद लगातार तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद वाल्मीकि समाज की नाराजगी और कार्रवाई की मांग के बीच अब समाजवादी पार्टी के चरथावल विधायक पंकज मलिक ने भी इस प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नाम लेकर आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय सार्वजनिक जीवन में नेताओं की भाषा, व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी को मुद्दा बनाया। विधायक ने स्पष्ट कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी जाति, धर्म या समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली भाषा किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

प्रतिक्रिया देते हुए विधायक पंकज मलिक ने कहा कि राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक मंचों पर बोलते समय अपने शब्दों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उनकी भाषा ऐसी होनी चाहिए, जिससे किसी समाज या वर्ग का अपमान न हो। सभी जाति, धर्म और समुदायों के लोगों को सम्मान देना हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों के बयान का समाज पर असर पड़ता है, इसलिए उन्हें सोच-समझकर अपनी बात रखनी चाहिए। पंकज मलिक ने कहा कि जब वाल्मीकि समाज के लोगों ने वाल्मीकि भगवान की मूर्ति के संदर्भ में सवाल उठाया, तो इस पर गुस्सा दिखाया गया। उनका कहना था कि किसी भी समाज के लोग अपनी भावनाओं और सवालों को सामने रखें तो उनकी बात को सम्मानपूर्वक सुना जाना चाहिए। नेताओं को अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। किसी सवाल या असहमति का जवाब अपमानजनक भाषा में देना उचित नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति और समाज को अपनी बात रखने का अधिकार है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे दो बेटे हैं, बडे बेटे का नाम दीपक तायल तथा छोटे बेटे का नाम राहुल कुमार तायल है। हमारा छोटा बेटा राहुल कुमार तायल व उसकी पत्नी वंदना हमारे कहने में नहीं है और ना ही हमारी सेवा करते हैं। शपथकर्ता गण अत्यंत वृद्धावस्था में होने के कारण बहुत कमजोर हो गये हैं, जिस पर भी उनका छोटा बेटा राहुल कुमार तायल व उसकी पत्नी वंदना तायल दुर्व्यवहार कर मारपीट करते हैं। शपथकर्तागण अपने छोटे बेटे राहुल कुमार तायल व उसकी पत्नी वंदना तायल की मारपीट से तंग आ गए गए हैं और उनसे कोई संबंध नहीं रखना चाहते हैं। शपथकर्ता सुभाष तायल ने पूर्व में अपने छोटे बेटे राहुल कुमार तायल को अपने बिजनेस व बैंक खातों में नोमिनी बनाया हुआ था। आज राहुल कुमार तायल व उसकी पत्नी वंदना तायल के दुर्व्यवहार व मारपीट से तंग आकर अपनी चल व अचल संपत्ति से राहुल कुमार तायल व उसकी पत्नी वंदना तायल को बेदखल करते हैं तथा आज से राहुल कुमार तायल मेरे बिजनेस व बैंक खातों में नोमिनी नहीं रहेगा। शपथकर्ता राहुल कुमार तायल को पूर्ण रूप से बेदखल करता है। सुभाष चंद्र तायल पुत्र रामकिशन तायल उम्र करीब 74 वर्ष तथा मीनाक्षी तायल पत्नी सुभाष चंद्र तायल उम्र 72 वर्ष उर्फ वीना कुमारी निवासीगण म.न.663 आदर्श कालोनी, निकट शिव मंदिर, जिला मुजफ्फरनगर।

सार्वजनिक सूचना

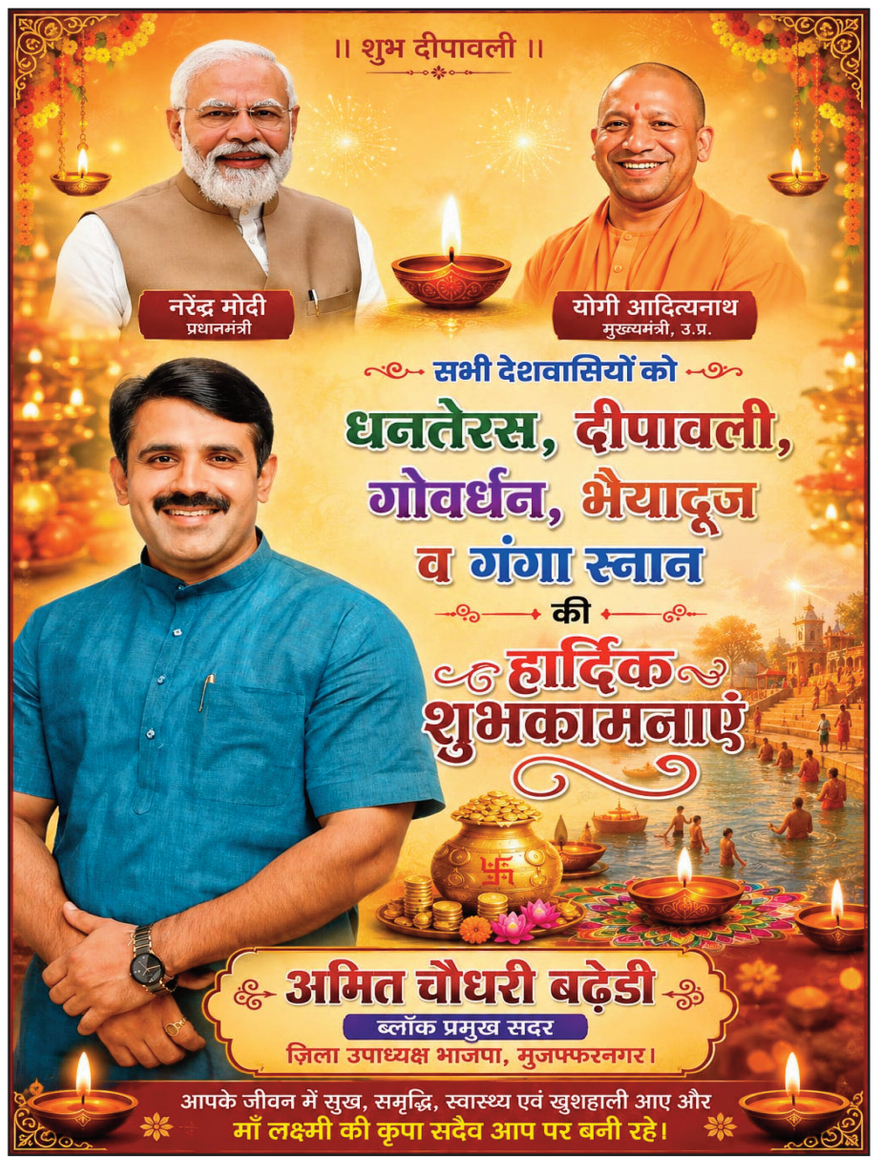
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान का मूल बैनामा भोपा रोड पर लेकर जाते समय कहीं खो गया है, जिस किसी को मिले नीचे लिखे पते पर पहुंचाने का कष्ट करें। मुकेश कुमार पुत्र स्व. श्री जगदीश प्रसाद निवासी मौ. बचन सिंह कालोनी, गली नंबर 2, पचैंडा रोड, मुजफ्फरनगर।
मोबाइल नंबर-8630491550

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com









कार्यालय नगर पालिका परिषद, खतौली

पत्रांक: 967 /न०पा०प०/2026-27 | दिनांक: 05/11/2026

निविदा आमंत्रित सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड के अंतर्गत नगर पालिका परिषद खतौली के विकास कार्यो हेतु दिनांक-07/11/2026 समय दोपहर 12:00 बजे से दिनांक-27/11/2026 समय दोपहर 12:00 बजे तक टेण्डर/निविदाएं नगर पालिका परिषद खतौली द्वारा आमन्त्रित की जाती है। टेण्डर/निविदा दिनांक-27/11/2026 दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय में विक्रय की जायेगी। टेण्डर/निविदाएं ठेकेदार द्वारा सीलबंद लिफाफे म टेंडर बॉक्स के अंदर दिनांक-27/11/2026 समय दोपहर 02:00 बजे तक डाली जायेगी तथा प्राप्त टेण्डर/निविदाएं दिनांक-27/11/2026 को दोपहर 03:00 बजे खोली जायेगी। निविदा मूल्य नकद जमा की जायेगी तथा जमा रसीद व निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित 10% धरोहर राशि राष्ट्रीय बचत पत्र, EPV, FDR, NSE/Tragary Challan के रूप में जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद खतौली के नाम बन्धक हो को निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि टेण्डर/निविदा में कोई भी संशोधन/परिमार्जन/परिवर्तन होता है तो सूचना समय से समाचार पत्रों में प्रकाशन कराते हुए नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जायेगी। निविदादाताओं की टेण्डर/निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष महोदय नगर पालिका परिषद खतौली में निहित होगा। यदि नियत तिथि के दिन कोई सार्वजनिक अवकाश होता है, तो आगामी कार्य दिवस माना जायेगा।

Manual Tender Reference	967/ न०पा०प०/2026-27
Tender Sale start Date and Time for Ref	07/11/2026 at 12:00 PM
Last Date and Time for Submission of Manual Bids	27/11/2026 Upto 12:00 PM
Manual Tender Opening Date	27/11/2026 at 03:00 PM
Place of opening of Manual Bid	Nagar Palika Parishad Khatauli, Muzaffarnagar.
Manual Tender Documents Processing	कार्यालय के निर्माण विभाग में टेंडर मूल्य/धरोहर राशि के लिए किसी भी कार्य दिवस में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नोट: नियम व शर्तो को कार्यालय के निर्माण विभाग एवं नोटिस बोर्ड पर किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

(राजीव कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद खतौली

(शाहनवाज़ अली)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद खतौली



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



भगत सिंह रोड पर तीन दिन के लिए लगेगा दीपावली ठिया बाजार, मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने व्यापारियों और दुकानदारों के बीच कराया समझौता

कई दिनों से चल रहा विवाद समाप्त, शिव चौक पर धरने के बाद गरीब दुकानदारों को मिली राहत, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान भी रहे मौजूद, सहमति के बाद ठिया संचालकों ने शुरू किया कारोबार

मुजफ्फरनगर। दीपावली के अवसर पर भगत सिंह रोड पर सड़क के बीच ठिये लगाकर कारोबार करने वाले गरीब दुकानदारों और बाजार के व्यापारियों के बीच कई दिनों से चला आ रहा विवाद आखिरकार गुरुवार शाम समाप्त हो गया। पुलिस-प्रशासन के स्तर पर समाधान नहीं निकलने और शिव चौक पर धरना-प्रदर्शन के बाद भी असमंजस में फंसे ठिया संचालकों की समस्या को लेकर प्रदेश सरकार के कौशल विकास मंत्री एवं नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल ने पहल की। उन्होंने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की समस्याएं सुनीं और बातचीत के जरिए बीच का रास्ता निकालते हुए तीन दिन के लिए भगत सिंह रोड पर ठिया बाजार लगाने पर सहमति करा दी। विवाद समाप्त होने के बाद दुकानदारों ने सड़क पर अपने ठिये लगाने शुरू कर दिए।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से सीधे शिव चौक पहुंचे मंत्री

गुरुवार शाम मंत्री कपिल देव अग्रवाल गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम से सीधे मुजफ्फरनगर के शिव चौक पहुंचे। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान भी मौजूद रहे। यहां कई दिनों से ठिये लगाने की अनुमति और व्यवस्था को लेकर संघर्ष कर रहे गरीब दुकानदारों ने अपनी समस्याएं रखीं। दुकानदारों ने बताया कि दीपावली का त्योहार उनके लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर होता है। सड़क किनारे और बीच में ठिये लगाकर वे कुछ दिनों का कारोबार करना चाहते हैं, जिससे अपने परिवार के लिए त्योहार की जरूरतें पूरी कर सकें। उनका कहना था कि दीपावली पर बाजार में खरीदारी बढ़ने से छोटे दुकानदारों को भी रोजगार और आमदनी का अवसर मिलता है।

व्यापारियों की आपत्तियां भी सुनीं, निकाला बीच का रास्ता

ठिया संचालकों की समस्याएं सुनने के बाद मंत्री कपिल देव अग्रवाल भगत सिंह रोड के उन व्यापारियों के बीच पहुंचे, जो सड़क के बीच ठिये लगाने का विरोध कर रहे थे। व्यापारियों ने बाजार में बढ़ती भीड़, यातायात व्यवस्था और ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में होने वाली परेशानियों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। मंत्री ने दोनों पक्षों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और आपसी सहमति बनाने का प्रयास किया।



बातचीत के दौरान व्यापारियों और ठिया संचालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए तीन दिन के लिए ठिया बाजार लगाने का रास्ता निकाला गया। दोनों पक्षों की सहमति बनने के बाद विवाद समाप्त हो गया और ठिया संचालकों ने भगत सिंह रोड पर अपना कारोबार शुरू कर दिया। गरीब दुकानदारों को भी त्योहार पर कारोबार का अवसर मिलना चाहिए: कपिल देव मीडिया से बातचीत में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि उन्हें ठिया लगाने वाले गरीब दुकानदारों की परेशानी और बाजार के व्यापारियों की आपत्तियों की जानकारी मिली थी। इसी कारण वह मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर समस्या का समाधान कराया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह रोड शहर का प्रमुख बाजार है और दीपावली के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचते हैं। ऐसे में सभी पक्षों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तीन दिन के लिए ठिया बाजार लगाने पर सहमति बनाई गई है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट नीति है कि किसी गरीब का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए और सभी को समान अवसर मिलना चाहिए। दीपावली ऐसा पर्व है, जिसमें छोटे दुकानदार और गरीब परिवार भी अतिरिक्त कारोबार करके अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने की उम्मीद रखते हैं। ऐसे लोगों को भी त्योहार पर कारोबार करने का अवसर मिलना चाहिए। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि बाजार में व्यवस्था बनाए रखने और दुकानदारों को कारोबार करने में परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से भी बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक मे घुसी बाइक, दो युवकों की दर्दनाक मौत

बिजनौर-मोरना मार्ग पर देर रात भीषण हादसा, बाइक पर सवार तीन दोस्तों में दो ने मौके पर तोड़ा दम

मुजफ्फरनगर। सड़क किनारे खड़े खराब वाहन किस तरह राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं, इसकी दर्दनाक तस्वीर बिजनौर-मोरना मार्ग पर देखने को मिली। सड़क किनारे डस्ट से लदे खराब ट्रक से पीछे से टकराई बाइक ने दो परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक एक साथ घर लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में हुआ हादसा दो युवकों के लिए जिंदगी का आखिरी सफर बन गया। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार रामराज क्षेत्र के गांव हाशमपुर निवासी 21 वर्षीय निक्की पुत्र जबरसिंह बुधवार को कासमपुर खोला गांव में अपने मामा रोहताश के घर आया हुआ था। शाम के समय निक्की अपने ममेरे भाई सचिन (21) और पड़ोसी प्रमेश पुत्र मांगेराम के साथ बाइक पर सवार होकर देवल गया था। वहां से तीनों युवक रात करीब 11 बजे बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। बताया



गया कि जैसे ही तीनों की बाइक बीआईटी चौकी के पास बिजनौर-मोरना मार्ग पर बीआईटी कॉलेज से कुछ आगे पहुंची, तभी सड़क किनारे डस्ट (रेत-बजरी) से भरे खराब ट्रक से बाइक की पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में निक्की और सचिन को गंभीर चोटें आईं और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं प्रमेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पता रहा। हादसे के बाद मार्ग से गुजर रहे ग्रामीणों ने युवकों को सड़क पर पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से तीनों को अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की। गंभीर रूप से घायल प्रमेश को जानसठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले निक्की और सचिन की उम्र महज 21 वर्ष थी। ग्रामीणों के अनुसार दोनों युवक किसानों के खेतों में गन्ना छिलाई का काम करके अपने परिवारों के पालन-पोषण में सहयोग करते थे। मेहनत-मजदूरी करके परिवार का सहारा बने दोनों युवकों की अचानक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही परिवारों में चीख-पुकार मच गई।

युवक की संदिग्ध मौत पर भड़का परिजनों का गुस्सा, थाने के गेट पर शव रखकर घंटों प्रदर्शन

मोनू को बंधक बनाकर जबरन जहर पिलाने का आरोप, पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर थाने पहुंचे परिजन; आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर हंगामा, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में लिया

मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे के मोहल्ला सराय गेट निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामला गरमा गया। परिजनों ने मोहल्ले के ही कई युवकों पर रंजिश के चलते मोनू को बंधक बनाकर जबरन जहर पिलाने और उसकी हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन युवक का शव लेकर मीरापुर थाने पहुंच गए और थाने के मुख्य गेट पर शव रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर घंटों प्रदर्शन किया। थाने के बाहर हंगामे और तनाव की सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

पहले घर पहुंचकर दी थी हत्या की धमकी देने का आरोप

मोहल्ला सराय गेट निवासी मोनू पुत्र मुन्नालाल पिकअप गाड़ी चलाने का काम करता था। उसके पिता मुन्नालाल ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार शाम करीब सात बजे मोहल्ले के हर्ष पुत्र सतीश, तुषार पुत्र मंगल, मंगल पुत्र शिवचरण, अक्षय, चिराग, ललित पुत्रगण प्रदीप और राजन पुत्र मुकेश ने उनके साथ गाली-गलौज की थी। आरोप है कि कुछ देर बाद उक्त लोग उनके घर पहुंचे और मोनू को समझाने की बात कहते हुए 24 घंटे के भीतर उसकी हत्या करने की धमकी देकर चले गए। इस घटना के बाद परिवार के लोग चिंतित थे। परिजनों के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11:22 बजे मोनू ने अपनी चचेरी बहन पूजा को फोन किया। उसने बताया कि उक्त लोगों ने उसे कुतुबपुर रोड स्थित एक कोल्ड स्टोर के पीछे बंधक बना रखा है और जबरन जहर पिलाकर मारने का प्रयास



कर रहे हैं। मोनू की फोन पर बताई गई बात सुनकर परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में बताए गए स्थान पर पहुंचे, जहां मोनू गंभीर हालत में पड़ा मिला। परिजन गंभीर हालत में मोनू को लेकर कस्बे के एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। युवक की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सक ने उसे बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर मेरठ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद परिजन शव लेकर मीरापुर थाने पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर थाने पहुंचे परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने के मुख्य गेट पर शव रख दिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई और परिजनों ने घंटों हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। स्थिति को देखते हुए जानसठ थाना प्रभारी विनोद कुमार भी पुलिस बल के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने काफी मशक्कत के बाद परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। क्षेत्राधिकारी ऋषिका सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और जांच के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के समझाने और कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए। इसके बाद युवक के शव को पुलिस निगरानी में अंतिम संस्कार के लिए गंगा बैराज ले जाया गया।

विधायक पंकज मलिक ने प्रेमपुरी आवास पर सुनीं जनता की समस्याएं, अधिकारियों को फोन कर कराया समाधान

चरथावल विधानसभा क्षेत्र से पहुंचे लोगों ने रखीं अपनी शिकायतें और मांगें, कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से की बातचीत; शेष समस्याओं के निस्तारण का दिया भरोसा

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सुनने के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने अपने प्रेमपुरी स्थित आवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से पहुंचे लोगों ने विधायक के सामने अपनी समस्याएं रखीं और उनके समाधान की मांग की। विधायक ने एक-एक कर लोगों की बात सुनी और संबंधित मामलों की जानकारी लेकर उनके निस्तारण के लिए पहल की। जनसुनवाई के दौरान कई लोगों ने अपनी व्यक्तिगत, स्थानीय और जनहित से जुड़ी समस्याएं विधायक के सामने रखीं। कुछ मामलों को गंभीरता से लेते हुए विधायक पंकज मलिक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके त्वरित समाधान के लिए कहा। इसके बाद कुछ शिकायतों



का मौके पर ही निस्तारण भी कराया गया। विधायक पंकज मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना उनकी जिम्मेदारी है। प्रेमपुरी स्थित आवास पर पहुंचे लोगों ने विधायक के समक्ष अपनी परेशानियां रखीं। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने अलग-अलग विभागों से संबंधित शिकायतों और क्षेत्रीय समस्याओं को उठाया। विधायक द्वारा अधिकारियों से सीधे बातचीत कर कुछ मामलों का समाधान कराने से संबंधित लोगों को राहत मिली। अन्य समस्याओं के निस्तारण के लिए भी आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया।

अमन उर्फ माया त्यागी के एनकाउंटर को लेकर भड़का त्यागी-ब्राह्मण समाज, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

शोकसभा में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल, बोले- कोर्ट में तारीख पर जा रहे अमन को बस से उतारकर नोएडा में किया गया एनकाउंटर

मुजफ्फरनगर। अमन उर्फ माया त्यागी के एनकाउंटर का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस कार्रवाई को लेकर त्यागी-ब्राह्मण भूमिहार समाज ने खुलकर विरोध जताया है। छपार में आयोजित अमन की शोकसभा में पहुंचे समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। समाज के नेताओं ने आरोप लगाया कि अमन का एनकाउंटर फर्जी है और उसके साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग करते हुए न्याय की लड़ाई को संगठित रूप से लड़ने का ऐलान किया। छपार में आयोजित शोकसभा में त्यागी ब्राह्मण भूमिहार समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने कहा कि अमन उर्फ माया त्यागी अदालत में तारीख पर जाने के लिए रोडवेज बस से यात्रा कर रहा था। आरोप है कि पुलिस ने उसे बस



से उतारकर नोएडा ले जाकर फर्जी एनकाउंटर कर दिया। उन्होंने इस पूरी कार्रवाई को सरासर अन्याय बताते हुए कहा कि अमन पिछले छह वर्षों से अपराध की दुनिया छोड़कर आम जीवन व्यतीत कर रहा था। ऐसे में उसके साथ हुई कार्रवाई को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका जवाब मिलना चाहिए। मांगेराम त्यागी ने कहा कि समाज इस मामले को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगा। न्याय दिलाने के लिए कमेटी गठित की जाएगी और कानूनी तरीके से लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और यदि किसी स्तर पर गलत कार्रवाई हुई है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो। मांगेराम त्यागी ने दो दिन पूर्व छपार पुलिस द्वारा त्यागी-ब्राह्मण समाज के दो युवकों को पकड़े जाने और गोली मारे जाने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही ऐसी पुलिस कार्रवाइयों से समाज में आक्रोश है।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि इन मामलों को लेकर समाज अपनी आवाज बुलंद करेगा और जिम्मेदार अधिकारियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज न्याय की मांग को लेकर पीछे हटने वाला नहीं है। वहीं, त्यागी भूमिहार ब्राह्मण महासभा के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्षू त्यागी ने भी अमन उर्फ माया त्यागी के एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच जरूरी है, जिससे घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों का खुलासा हो सके।

उन्होंने कहा कि समाज इस मामले में न्याय चाहता है और जब तक सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक आंदोलन जारी रखने की रणनीति बनाई जाएगी। अमन त्यागी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर उसके ताऊ ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। परिवार की ओर से मामले की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग उठाई जा रही है। समाज के पदाधिकारियों ने भी परिवार को समर्थन देते हुए आंदोलन को व्यापक रूप देने की बात कही है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो नोएडा पुलिस कमिश्नरी पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। शोकसभा के दौरान समाज के लोगों ने एकजुट होकर अमन त्यागी के मामले में कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने की बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने कमेटी गठित कर पूरे प्रकरण की पैरवी करने का ऐलान किया, जबकि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्षू त्यागी ने सीबीआई जांच की मांग को प्रमुखता से उठाया। शोकसभा से उठी आवाज अब आंदोलन का रूप लेती दिखाई दे रही है।

पांच से 20 नवंबर तक सभी निर्माण स्थलों पर काम बंद, ग्रेप-2 के तहत प्रदूषण नियंत्रण विभाग सख्त

वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी गीतेश चंद्रा ने जारी किए निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिले में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। ग्रेप-2 के तहत आगामी 5 नवंबर से 20 नवंबर तक जिले की सभी प्रकार की निर्माण साइटों पर निर्माण कार्य बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी गीतेश चंद्रा की ओर से जारी निर्देशों के बाद निर्माण गतिविधियों पर विभाग की निगरानी बढ़ाई जाएगी। जिलेभर में विशेष निगरानी अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्धारित अवधि में किसी भी निर्माण स्थल पर प्रतिबंधित कार्य न हो। निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग के निर्देशों के अनुसार, 5 नवंबर से 20 नवंबर तक सभी प्रकार की निर्माण साइटों पर काम बंद रहेगा। इस दौरान विभागीय टीमों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में निर्माण स्थलों की निगरानी की जाएगी। जहां भी आदेशों का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां संबंधित



लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य निर्माण गतिविधियों के कारण वातावरण में फैलने वाली धूल और प्रदूषण को नियंत्रित करना है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी गीतेश चंद्रा ने निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिलेभर में विशेष निगरानी रखी जाएगी। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य स्थानों पर संचालित निर्माण साइटों पर भी नजर रहेगी। विभागीय स्तर पर यह देखा जाएगा कि प्रतिबंध की अवधि में निर्माण कार्य तो नहीं किया जा रहा है। आदेशों की अनदेखी करने वाले निर्माण संचालकों और संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निर्माण स्थलों पर मिट्टी, रेत, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री के इस्तेमाल तथा उनकी ढुलाई के दौरान धूल उड़ने की आशंका रहती है। इससे आसपास के वातावरण में धूल के कण बढ़ सकते हैं और वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसे में निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देशों को प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। विभाग ने साफ कर दिया है कि निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य बंद रखने के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। निगरानी के दौरान यदि किसी साइट पर आदेश के विपरीत निर्माण कार्य होता मिला तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि जिलेभर में विभागीय निगरानी के बीच निर्माण स्थलों पर इन निर्देशों का कितना पालन होता है।

धान खरीद में फार्मर आईडी की बाध्यता पर मिली छूट

भाकियू अराजनैतिक की मांग पर सरकार ने बदली व्यवस्था

मुजफ्फरनगर। धान की सरकारी खरीद में किसानों को आ रही पंजीकरण संबंधी परेशानियों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) द्वारा उठाई गई मांग पर उत्तर प्रदेश सरकार ने धान क्रय नीति में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के उन किसानों को राहत मिलेगी, जो एग्रीस्टैक, फार्मर आईडी और डिजिटल क्रॉप सर्वे में तकनीकी खामियों के चलते सरकारी क्रय केंद्रों पर धान बेचने के लिए पंजीकरण नहीं करा पा रहे थे। संगठन ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि संगठन ने किसानों की इस गंभीर समस्या को लेकर 29 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर ध्यान आकर्षित कराया था। इसके अलावा मंडल स्तर पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान भी इस मांग को प्रमुखता से उठाया गया था। संगठन ने मांग की थी कि एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे में तकनीकी त्रुटियों का खामियाजा



किसानों को न भुगतना पड़े तथा उन्हें पिछले वर्ष की तरह धान खरीद के लिए पंजीकरण कराने की सुविधा दी जाए। किसान संगठन की मांग पर संज्ञान लेते हुए शासन के खाद्य एवं रसद अनुभाग-4 द्वारा शासनादेश संख्या 666/29-4-2026/ई-163/2026, दिनांक 4 नवंबर 2026 को जारी किया गया है। इसके माध्यम से खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान क्रय नीति में संशोधन करते हुए स्पष्ट किया गया है कि जिन किसानों की फार्मर आईडी बन चुकी है और वे उससे संतुष्ट हैं, वे उसके आधार पर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं, जो किसान फार्मर आईडी की व्यवस्था से संतुष्ट नहीं हैं, उनके लिए पिछले वर्ष की भांति पंजीकरण प्रक्रिया अपनाई जाएगी। संगठन का कहना था कि एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे के दौरान कई किसानों की जमीन पर गलत फसल दर्ज हो गई थी, जबकि कहीं गाटा संख्या से संबंधित गड़बड़ियां सामने आ रही थीं। इन तकनीकी समस्याओं के चलते वास्तविक किसान भी धान खरीद के लिए पंजीकरण कराने में परेशानी झेल रहे थे। इससे किसानों को अपनी उपज सरकारी क्रय केंद्रों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने में दिक्कत आ रही थी। सरकार के निर्णय के बाद भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद एवं आभार पत्र भेजा गया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि संगठन लगातार किसानों की समस्याओं को शासन और प्रशासन के सामने उठाता रहा है। धान खरीद में पंजीकरण की बाध्यता को लेकर किसानों की व्यावहारिक परेशानियों को सरकार तक पहुंचाया गया था। सरकार ने इस पर संज्ञान लेकर किसानों को राहत देने का निर्णय लिया है।

16 नवंबर से शुरू होगी स्वगणना, एक दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी गणना टीम

जिले में 6,190 गणना खंड बनाए गए, 5,537 प्रगणक और पर्यवेक्षक संभालेंगे जिम्मेदारी

जनगणना-2027 को लेकर डीएम उमेश मिश्रा सख्त, अधिकारियों को मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जनगणना के कार्य को त्रुटिरहित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों को बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने और सबसे पहले स्वयं अपनी स्वगणना करने के निर्देश भी दिए। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्वगणना, घर-घर जनसंख्या गणना, कर्मचारियों की तैनाती, प्रशिक्षण और प्रचार-प्रसार की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जनगणना के द्वितीय चरण के तहत 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्वगणना की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे। पांच जनवरी से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण चक्र आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी तैयारियां पूरी रखी जाएं। मुजफ्फरनगर जनपद में जनगणना के लिए कुल 6,190 गणना खंड बनाए गए हैं। इनके अंतर्गत कार्य संपन्न कराने



के लिए 5,537 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। कर्मचारियों को तीन चरणों में तीन-तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहला चरण 26 से 28 अक्टूबर तक पूरा हो चुका है। दूसरा चरण चार से छह नवंबर तक चल रहा है, जबकि तीसरा चरण 12 से 14 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। स्वगणना अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने विभिन्न विभागों और वर्गों के लिए विशेष दिवस निर्धारित किए हैं। इसके तहत 16 नवंबर को राजस्व, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि दिवस, 17 नवंबर को स्थानीय प्रशासन, ग्रामीण विकास एवं कृषि दिवस और 18 नवंबर को युवा, खेल एवं मीडिया दिवस रहेगा। 20 नवंबर को न्यायिक दिवस, 21 नवंबर को वर्दीधारी एवं सुरक्षा बल दिवस, 22 नवंबर को केंद्रीय सरकारी कार्यालय एवं वित्त दिवस, 23 नवंबर को शिक्षा दिवस तथा 24 नवंबर को स्वास्थ्य दिवस निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में 25 नवंबर को उद्योग, परिवहन एवं अभियांत्रिकी दिवस, 26 नवंबर को महिला एवं स्वयं सहायता समूह दिवस, 27 नवंबर को डिजिटल सुविधा सहायता दिवस, 28 नवंबर को घर से काम करने वाले एवं डिजिटल उद्यमी दिवस और 29 नवंबर को गौरव दिवस मनाया जाएगा। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सबसे पहले स्वयं अपनी स्वगणना पूरी करें और अपने-अपने विभागों में कार्यरत कर्मचारियों से भी अनिवार्य रूप से स्वगणना कराएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं इस अभियान में भाग लेकर उदाहरण प्रस्तुत करें। किसी भी अधिकारी को बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही जनगणना की तैयारियों के दौरान विभागों के नियमित कार्य भी सुचारू रूप से जारी रहने चाहिए। अपर

संपादकीय

हेलीकॉप्टर हादसे और मुनाफे के चक्कर में ताक पर रखी जाती सुरक्षा?

उत्तराखंड में बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे और यात्रियों की मौतें गंभीर चिंता का विषय हैं। मुनाफाखोरी के चक्कर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।पिछले कुछ सालों से उत्तराखंड में धार्मिक स्थानों तक पहुंचने या अन्य जगहों पर पर्यटन के क्रम में जिस पैमाने पर हेलिकाप्टर से आवाजाही बढ़ी है, उसी अनुपात में उसके सुरक्षित होने को लेकर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा जा रहा।यह बेवजह नहीं है कि अक्सर वहां से हेलिकाप्टर के हादसे का शिकार हो जाने और उसमें नाहक ही लोगों की मौत की घटनाएं सामने आने लगी हैं। पिछले हफ्ते शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून लौटते हुए एक हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट सहित छह लोगों की जान चली गई।मरने वाले यात्री बंगलुरु के रहने वाले थे और बदरीनाथ के दर्शन करने के बाद लौट रहे थे। इस हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि सुविधाओं के विकास और विस्तार के क्रम में इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जा रहा है कि एक मामूली-सी लापरवाही या तकनीकी खामी कैसे जानलेवा साबित हो सकती है।हाल के वर्षों में हिमालयी राज्य में हेलिकाप्टर हादसे और आपातकालीन स्थिति में उतारने जैसी अन्य घटनाओं का जैसा सिलसिला चल पड़ा है, उसके बाद पर्यटन के क्षेत्र में हेलिकाप्टर के संचालन और सुरक्षित यात्रा के भरोसे पर सवाल उठने लगे हैं।पिछले वर्ष जुलाई में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने संसद में बताया था कि 2020 के बाद देश में बारह हेलिकाप्टर दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें सात अकेले उत्तराखंड में हुईं। इन हादसों में मरने वाले कुल तीस लोगों में से सिर्फ उत्तराखंड में इक्कीस लोग मारे गए।हैरानी की बात यह है कि पर्यटन के क्षेत्र में और खासतौर पर तीर्थ स्थलों पर हेलिकाप्टर के जरिए आवाजाही को बढ़ावा तो दिया जा रहा है, लेकिन इसके जोखिम को शून्य करने को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखती। साफ है कि इस मामले में निजी कंपनियों को अनुमति दिए जाने से लेकर व्यवस्थागत प्रबंधन और संचालन में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है।सिर्फ ज्यादा मुनाफा कमाने की वजह से जिस तरह सुरक्षा संबंधी तकाजों को ताक पर रखा जा रहा है, वह हादसों को न्योता देने जैसा है। अगर समय रहते हेलिकाप्टरों के संचालन में सुरक्षा के ठोस मानकों और उन पर अमल को लेकर सख्ती नहीं बरती गई, तो यह न सिर्फ लोगों के लिए जान का सौदा बनेगा, बल्कि इस पूरी व्यवस्था की मंशा पर सवाल उठेंगे।

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के राजनीतिक निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग (एनडीए) और कांग्रेस नीत इंडी (इंडी) गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है?



भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं- तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्व- 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी। तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा। तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैं- एक, भाजपा का पक्ष- मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्ष- मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ-साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शन- मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है। दो, नेतृत्व की सार्वजनिक सक्रियता- पदयात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सीधे कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों के बीच उपस्थित होते हैं। इससे चुनाव से पहले संगठनात्मक संपर्क को सक्रिय रखने का अवसर मिलता है। तीन, 2027 के चुनाव की पृष्ठभूमि। योगी आदित्यनाथ की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व की राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी इस कार्यक्रम को केवल स्थानीय संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहने देती। पांचवां सवाल यह है कि यूपी के छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्रा का क्या संदेश है? इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक विस्तार है। भाजपा ने केवल लखनऊ में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बजाय छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अलग-अलग पदयात्राओं की योजना बनाई है। इसके तीन संभावित संगठनात्मक उद्देश्य हैं- एक, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना- स्थानीय इकाइयों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारी के लिए सक्रिय रखना। दो, स्थानीय संपर्क बढ़ाना- व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों तक पहुंच बनाना। तीन, एक समान राजनीतिक संदेश- प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में एक ही नारे और राजनीतिक मुद्दे को सामने रखना। भाजपा की तैयारियों में सामाजिक और व्यावसायिक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

छठा प्रासंगिक सवाल यह है कि विपक्ष के सामने क्या राजनीतिक चुनौतियां हैं? इस अभियान से विपक्ष के सामने भी कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक सवाल खड़े होते हैं। एक, क्या विपक्ष मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ जनता के सामने रख पाएगा? दो, क्या समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इन मुद्दों पर एक साझा राजनीतिक दृष्टिकोण विकसित कर पाएंगे? तीन, क्या विपक्ष केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहेगा या रोजगार, महंगाई, किसानों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी समान महत्व देगा? चार, क्या विपक्ष भाजपा के इस अभियान के जवाब में जनता के बीच अपनी बात रखने के लिए प्रभावी जनसंपर्क कर पाएगा? यहां एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक तथ्य भी समझना चाहिए। सरकार की नीतियों की आलोचना करना और चुनावी संस्थाओं से सवाल पूछना अपने आप में अराजकता नहीं है। उसी तरह शांतिपूर्ण राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। किसी भी पक्ष के आरोपों और दावों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

सातवां सवाल है कि आखिर भाजपा के लिए असली परीक्षा क्या होगी? पदयात्रा में कितनी भीड़ जुटती है, कितने बड़े नेता शामिल होते हैं और कितने स्थानों पर कार्यक्रम होते हैं, ये सभी संगठनात्मक गतिविधि के मापदंड हो सकते हैं। लेकिन इनसे अपने आप जनता के राजनीतिक समर्थन या चुनावी परिणाम का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। भाजपा के लिए वास्तविक सवाल होंगे।

उमर अब्दुल्ला की सरकार पर खतरा, जम्मू कश्मीर में शांति बनाए रखना जरूरी

(संतोष कुमार पाठक)

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रूहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है।

देश के कई अन्य राज्यों की तरह अब जम्मू कश्मीर में भी राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है। राज्य की उमर अब्दुल्ला की सरकार गहरे संकट में फंस गई है क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के सांसद, विधायक और कई अन्य दिग्गज नेता उनके खिलाफ हो गए हैं। बडगाम से तीन बार विधायक रह चुके और 2024 के लोकसभा चुनाव में श्रीनगर से सांसद चुने गए नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने सांसदी छोड़ने का ऐलान करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उमर अब्दुल्ला को लेकर उनकी अपनी ही पार्टी में नाराजगी इस हद तक बढ़ चुकी है कि रूहुल्लाह ने मंगलवार को बडगाम में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई जनसभा में ही पार्टी और सांसदी, दोनों छोड़ने का ऐलान कर दिया। अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर की पार्टी है और खासतौर से इसका प्रभाव कश्मीर घाटी में ही ज्यादा माना जाता है। कश्मीरियों के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा वापस हासिल करना एक भावनात्मक मुद्दा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रूहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है। पार्टी छोड़ने का ऐलान करते समय उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला बीजेपी के दबाव में 370 पर अपना रुख बदल चुके हैं। वैसे पार्टी में बगावत की शुरुआत विधायकों का एक गुट पहले ही कर चुका है। पार्टी के 25 विधायकों ने रविवार को ही फारूक और उमर अब्दुल्ला को 14 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं।

आपको याद दिला दें कि, 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद - 370 को हटाने के साथ ही इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था।जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग कर, दोनों ही इलाके को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इसके लगभग 5 वर्ष बाद सितंबर-अक्टूबर 2024 में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। गठबंधन में हुए समझौते के मुताबिक, एनसी के हिस्से में 51 और कांग्रेस के हिस्से में 32 सीटें आईं और 5 सीटों पर दोनों दलों के उम्मीदवारों के बीच दोस्ताना मुकाबला हुआ।

विधानसभा चुनाव में एनसी-कांग्रेस और अन्य पार्टियों के गठबंधन को जीत हासिल हुई। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में एनसी ने 42, बीजेपी ने 29 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन मुख्यमंत्री की कमान संभालने के साथ ही उमर अब्दुल्ला के सामने कई मुश्किलें भी आने लगी। सबसे पहले झटका तो यही लगा कि कांग्रेस ने सरकार में शामिल होने से इनकार करते हुए बाहर से समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को पूर्ण राज्य और अनुच्छेद 370 के जमाने की सरकार चलाने की आदत थी लेकिन इस सरकार में उन्हें कदम-कदम पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का सामना करना पड़ रहा था और दिल्ली की तरह जम्मू कश्मीर की पुलिस भी उनके अधीन नहीं थी। रही-सही कसर पार्टी नेताओं में उभरे असंतोष ने पूरी कर दी। नाराज़ विधायकों का अपने ही मुख्यमंत्री के खिलाफ 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाकर मांगों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त रख देना अपने आप में एक बड़ा इशारा करता है कि हालात हाथ से निकल चुके हैं। नाराज विधायक उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सलाहकार पद से नासिर सोगामी के साथ ही ऐसे मंत्रियों को भी हटाने की मांग कर रहे हैं जो 2 साल से उमर अब्दुल्ला की सरकार में मंत्री है। वैसे तो इसे एक केन्द्र शासित प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर मचे घमासान की ख़बर कहकर टाला जा सकता है। लेकिन हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भारत के सिर के इस ताज जम्मू कश्मीर पर नापाक पाक की बुरी नज़र हमेशा लगी रहती है। पाकिस्तान में लगातार खराब होते राजनीतिक हालात, बिगड़ती अर्थव्यवस्था, बेलगाम होती जा रही महंगाई और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर के हिस्से में लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान लंबे समय से राज्य के हालात को खराब करने का मंसूबा बना रहा है।

ऐसे हालात में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता बहुत जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तुरंत कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। पाकिस्तान इस हालात का फायदा उठाकर कोई बड़ी हरकत करने में कामयाब ना हो जाए, इससे बचने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भी फौरन सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और इंटेलिजेंस के साथ मिलकर बड़ी रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। यह समय बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए राज्य में राजनीतिक स्थिरता और शांति कायम रखने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अब्दुल्ला सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)**

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है?

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति



प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)**

महिला से दुष्कर्म एवं जान से मारने की धमकी का आरोप, पीड़िता के साथ एलजेपी रामविलास के पदाधिकारियों ने एसएसपी से की मुलाकात

लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास के पदाधिकारियों ने मुकदमा दर्ज नहीं किए जाने पर जिलाधिकारी कार्यालय पर अनिश्चित कालीन धरने के चेतावनी दी



मुजफ्फरनगर। थाना खालापार क्षेत्र के ग्राम वहलना निवासी एक महिला ने संजीव उर्फ राणा पर छेड़छाड़, दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने एवं झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी काफी समय से उसे परेशान कर रहा है तथा विरोध करने पर उसके पति को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पूर्व में थाना खालापार पुलिस से शिकायत करने की बात भी अपने प्रार्थना पत्र में कही है। मामले को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश संगठन मंत्री अमित कुमार गौतम, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन बंसल, जिला अध्यक्ष मनोज कुमार अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष महराब खान एवं जिला संगठन मंत्री ने पीड़िता के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराने, पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करने तथा आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए संगठन हरसंभव सहयोग करेगा।

एस .डी.पब्लिक स्कूल सीनियरविंग सोशल क्लब द्वारा आशादीप मूक बधिर एवं मन्द बुद्धि संस्थान मे दिव्यांग बच्चो के साथ दीपावली उत्सव मनाया



मुजफ्फरनगर। एस डी पब्लिक स्कूल के सोशल क्लब द्वारा मूक-बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चों की संस्था आशादीप बाल प्रशिक्षण संस्थान, विष्णु विहार,जानसठ रोड़,मुजफ्फरनगर में दिपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। एस डी पब्लिक स्कूल सोशल क्लब के बच्चो द्वारा दीपावली के गीतो का गायन अपनी मधुर वाणी में किया। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय गीतो की प्रस्तुति तथा आशादीप स्कूल के मूक बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चो के साथ डांस की सुन्दर प्रस्तुति की गयी। एस डी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग द्वारा दीपावली उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें गीता मित्तल प्रभारी जूनियर विंग,शिक्षिका रश्मि शर्मा,रीतू सैनी,आशीष, विभा त्यागी,जैन मेडम आदि उपस्थित रहे। संस्थान के सचिव इंजी आर के गोयल , प्रभारी उपमंत्री नरेश गुप्ता एवं रामबीर सिंह सदस्य कार्यकारणी तथा प्रधानाचार्य ब्रजमोहन शर्मा ने संयुक्त रूप से सबका स्वागत किया।एस डी पब्लिक स्कूल सोशल क्लब द्वारा आशादीप के दिव्यांग बच्चो को दीवाली गिफ्ट वितरित किये गये। गीता मित्तल द्वारा आशादीप स्कूल के बच्चों की प्रशंसा करते हुए आश्वासन दिया कि वह प्रति वर्ष स्कूल में आकर बच्चों को हर प्रकार का सहयोग करती रहेंगी तथा आशादीप संस्थान के प्रबन्धन एवं स्टाफ का सहयोग के लिए धन्यवाद व्यापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे रीना चौधरी,जीवनी बंसल,शारदा शर्मा,मीना सिंह,कैलिस कल्याणी ,नीलम मित्तल,नैना,विकास, सोनिया, सोनी,सुमन,प्रतीक,रमाकांत, कपिल,नरेंद्र,मंगल सैन,दीपक आदि का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम के अन्त मे रामबीर सिंह,एन के गुप्ता द्वारा सभी उपस्थित सम्मानित जनो का ह्रदय से आभार व्यक्त किया गया तथा सूक्ष्म जलपान के उपरांत कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

जीओ गीता बाल संस्कार केंद्र पर बच्चो द्वारा दीपावली हर्षोल्लास से मनाई



मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल गर्ग ने बताया कि गुलशन विहार, जानसठ रोड,मुजफ्फरनगर स्थित जीओ गीता बाल संस्कार कक्षा केंद्र पर नन्हे मुन्ने बच्चो द्वारा दीपावली हर्षोल्लास से मनाई गई। केंद्र संचालिका दीपाली कौशिक के कुशल निर्देशन मे नन्हे मुन्ने बच्चो द्वारा मंचीय प्रस्तुति, लघु नाटिका तथा दिपावली गीतो की मनोहर प्रस्तुतियां की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने अपने सम्बोधन मे बताया कि दीपावली भारत के सबसे बड़े और प्रमुख त्योहारों में से एक है,जिसे प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है।सचिव अतुल गर्ग ने बताया कि शीघ्र ही नगर मे एक और बाल संस्कार कक्षा केंद्र शुरू किया जायेगा।

भगत सिंह रोड पर बाजार लगाने को लेकर रेहड़ी-पटरी दुकानदारों का हंगामा, टाउन हॉल में दुकान लगाने के प्रशासन के फैसले का विरोध

मुजफ्फरनगर। शहर के भगत सिंह रोड पर दीपावली के अवसर पर लगने वाले बाजार को लेकर रेहड़ी-पटरी दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया। प्रशासन द्वारा इस बार भगत सिंह रोड के बीचों-बीच बाजार लगाने की अनुमति नहीं दिए जाने और सभी दुकानदारों को टाउन हॉल के मैदान में दुकानें लगाने के निर्देश दिए जाने से छोटे व्यापारियों में नाराजगी देखने को मिली। हंगामे की सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट दीपक पाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अन्नू चौधरी शहर कोतवाल बिर्जेश शर्मा सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

भगत सिंह रोड पर पिछले कई वर्षों से दीपावली के अवसर पर सड़क के बीचों-बीच अस्थायी बाजार लगता आ रहा है। इस बार प्रशासन ने यातायात व्यवस्था और सुरक्षा का हवाला देते हुए बाजार को सड़क पर लगाने से रोक दिया है। सिटी मजिस्ट्रेट दीपक पाल ने सभी रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को शिव चौक से करीब 400 मीटर आगे स्थित टाउन हॉल के मैदान में दुकानें लगाने के निर्देश दिए।

प्रशासन के इस फैसले का छोटे व्यापारियों ने विरोध करते हुए टाउन हॉल में दुकानें लगाने से इनकार कर दिया। दुकानदारों का कहना था कि भगत सिंह रोड पर पहले से ही दुकानों के बाहर ठिए लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दुकानदारों ने 20-20 हजार रुपये तक में ठिए खरीदे हैं। ऐसे में यदि ग्राहक भगत सिंह रोड पर खरीदारी करने



आएंगे तो वे टाउन हॉल तक नहीं पहुंचेंगे, जिससे उनका सामान नहीं बिक पाएगा और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

दुकानदारों ने यह भी कहा कि पहले दीपावली के अवसर पर भगत सिंह रोड पर पांच दिन तक बाजार लगता था, लेकिन इस बार बाजार लगाने के लिए केवल तीन दिन ही बचे हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन ने पहले उन्हें टाउन हॉल में दुकानें लगाने की कोई जानकारी नहीं दी थी। अचानक स्थान बदलने के फैसले से छोटे व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

उधर, प्रशासन ने टाउन हॉल के मैदान में रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को दुकानें आवंटित करने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत प्रत्येक व्यापारी से 100 रुपये शुल्क लेकर पंजीकरण किया जाएगा।

सड़क पर नहीं लगने दिया जाएगा बाजारः सिटी मजिस्ट्रेट

सिटी मजिस्ट्रेट दीपक पाल ने स्पष्ट किया कि इस बार भगत सिंह रोड की सड़क पर किसी भी तरह का ठिया नहीं लगने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क आवागमन के लिए होती है। बीच सड़क पर बाजार लगने से यातायात बाधित होता है और कई बार दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। इसके अलावा यदि बाजार में कहीं आग लगने जैसी घटना होती है तो दमकल की गाड़ियों को मौके तक पहुंचने और आग बुझाने में काफी परेशानी हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सभी व्यापारियों के लिए टाउन हॉल के मैदान में व्यवस्था की है, जो शिव चौक से करीब 400 मीटर आगे स्थित है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बार बाजार टाउन हॉल में ही लगाया जाएगा।

वहलना चौक पर मोबाइल छिनैती की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, पांच आरोपी सहित एक बालअपचारी गिरफ्तार



मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने वहलना चौक के पास हुई मोबाइल छिनैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक बाल अपचारी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोटोरोला कंपनी का एक मोबाइल फोन तथा घटना में इस्तेमाल की गई दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की हैं। बताया गया कि 17 अक्टूबर 2026 को वहलना चौक के पास मोबाइल छिनैती की घटना हुई थी। मामले में थाना सिविल लाइन पर मुकदमा अपराध संख्या 283/26 धारा 304(2), 317(2), 313, 3(5)/112 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए 4 नवंबर 2025 की रात करीब 11:40 बजे संधावली अंडरपास के पास से पांच आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय पुत्र मनोज और अक्षय पुत्र राधेश्याम निवासीगण बेहड़ा अस्सा थाना सिखेड़ा, अखिल पुत्र सोनू निवासी रविदास मंदिर वाली गली अलमासपुर थाना नई मंडी, गोविंद पुत्र रकम सिंह निवासी निरगाजनी थाना भोपा, हाल निवासी अमित विहार कुकड़ा, आर्यन पुत्र आशीष कुमार निवासी नूनाखेड़ा थाना तितावी, हाल निवासी अमित विहार कुकड़ा के रूप में हुई है। वहीं छठे आरोपी की पहचान बाल अपचारी के रूप में हुई है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक उधम सिंह, उपनिरीक्षक प्रशांत कुमार गिरि, हेड कांस्टेबल मुरली तथा कांस्टेबल अंकुर, विवेक, कृष्ण मावी और अमित शर्मा शामिल रहे।

मोदीनगर में सड़क हादसे में पुलिसकर्मी प्रभात शर्मा की मौत, अज्ञात टेंपो ने बाइक में मारी टक्कर



गाजियाबाद। मोदीनगर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में गाजियाबाद पुलिस के एक पुलिसकर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। अग्रसेन कट के पास एक अज्ञात टेंपो ने बाइक सवार पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान प्रभात शर्मा के रूप में हुई है। वह गाजियाबाद पुलिस लाइन की रेडियो शाखा में तैनात थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस अज्ञात टेंपो और उसके चालक की तलाश में जुटी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

विधायक संजीव शर्मा बोले- उम्मीद से ज्यादा उमड़ा जनसैलाब

किलोमीटर लंबी रही पदयात्रा; अखिलेश को बताया मुंगेरीलाल, राहुल गांधी पर कसा तंज

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा में उमड़ी भीड़ को लेकर भाजपा विधायक संजीव शर्मा ने खुशी जताई। गाजियाबाद शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि पदयात्रा में लोगों की भागीदारी उम्मीद से भी ज्यादा रही। क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के नेतृत्व में निकली इस यात्रा का लोगों ने जोरदार स्वागत और समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौके पर किलोमीटर तक जनसैलाब नजर आ रहा है। अखिलेश यादव के बयान पर कसा तंज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बिना चुनाव लड़े सीधे मुख्यमंत्री बनने संबंधी बयान पर संजीव शर्मा ने तंज कसते हुए उन्हें 'मुंगेरीलाल' बताया। उन्होंने कहा कि मुंगेरीलाल को हसीन सपने आते थे और अखिलेश यादव को भी ऐसे ही सपने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कुछ भी कह सकता है, लेकिन चुनाव में जनता का जनादेश ही तय करता है कि किसे समर्थन मिल रहा है। विधायक ने दावा किया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिस तरह जनता का समर्थन मिला था, आज भी वैसा ही जनसमर्थन भाजपा के साथ है।

राहुल गांधी को बताया बचकाना

बयान देने वाला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोदी और अमित शाह को लेकर दिए गए बयान पर भी संजीव शर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह कहीं नहीं जा रहे हैं। देश की जनता उन्हें कहीं नहीं जाने देगी। राहुल गांधी के पांच मिनट की बहस की चुनौती पर उन्होंने कहा कि संसद बहस के लिए ही बनी है और सांसदों को वहां चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि संसद में बहस करने के बजाय इस तरह के बयान क्यों दिए जा रहे हैं। विधायक ने राहुल गांधी के बयान को बचकाना बताते हुए कहा कि देश और क्षेत्र की जनता उन्हें गंभीरता से नहीं लेती।

'राष्ट्र विरोधियों और सनातन विरोधियों को करारा तमाचा है योगी जी का मार्च', बोले लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से गाजियाबाद में निकाली गई 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने पदयात्रा को राष्ट्र विरोधियों और सनातन विरोधियों के लिए करारा तमाचा बताया।

मीडिया से बातचीत में नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी इस यात्रा के बाद सदमे में आ जाएंगे और उन्हें नींद नहीं आएगी, जबकि अखिलेश यादव बेहोश हो जाएंगे। अखिलेश यादव के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव डरे हुए हैं। विधायक ने दावा किया कि यादव समाज के लोग भी समाजवादी पार्टी को सनातन विरोधी मानते हुए उसका विरोध करेंगे। गुर्जर ने कहा कि पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब देश के नौजवानों, महिलाओं और बुजुर्गों का संदेश है। उनके मुताबिक, दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना इस बात का संकेत है कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के साथ खड़ा है। विधायक ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर दंगा कराने तथा मुजफ्फरनगर हिंसा को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के खिलाफ जांच होनी चाहिए। गुर्जर ने राम मंदिर आंदोलन के कारसेवकों को लेकर दिए गए बयानों का जिक्र करते हुए सपा नेताओं को राम और कृष्ण विरोधी बताया। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और देश की जनता ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करेगी। बागेश्वर धाम के बाबा द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को 'टेढ़ा' कहे जाने और इस मामले में एफआईआर दर्ज होने के सवाल पर भी नंदकिशोर गुर्जर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बाबा के बयान का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कोई गलत बात नहीं कही है। विधायक के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण को टेढ़ा कहने के पीछे उनका आशय दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों को उसी भाषा में जवाब देने से था। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज हुई है तो उसकी जांच होनी चाहिए। उनके अनुसार, बाबा ने जो कहा है, उसमें कुछ गलत नहीं है।

कांग्रेस देश और लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है, इसीलिए योगी जी सड़क पर उतरेंगे

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गाजियाबाद में प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक कटारिया ने कांग्रेस और कठुक्कअ गठबंधन पर तीखा हमला बोलाउन्होंने कहा कि कांग्रेस देश और लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है। इसी के विरोध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़क पर उतरकर बड़ा मार्च करेंगे, जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पदयात्रा के राजनीतिक प्रभाव को लेकर अशोक कटारिया ने कहा कि इस मार्च से पूरे पश्चिमी यूपी में माहौल बनेगा। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी मजबूती से तैयारी कर रही है। एक नवंबर को दिल्ली में हुई INDIA गठबंधन की रैली पर निशाना साधते हुए कटारिया ने कहा कि रैली में कुर्सियां खाली थीं और गठबंधन का दम निकल चुका है। उन्होंने कहा कि यह कोई मजबूत गठबंधन नहीं, बल्कि भारत की आंखों में धूल झोंकने वाले लोगों का मंच है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बिना चुनाव लड़े ही सीधे मुख्यमंत्री बनने संबंधी बयान पर कटारिया ने तंज कसते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ख्याली पुलाव पका रही है और पकाती रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में होने वाली पदयात्रा को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से भी देखा जाना चाहिए।

यातायात माह-नवंबर 2026 के अंतर्गत एसडी गर्ल्स इण्टर कॉलिज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। यातायात माह नवंबर-2026 के अंतर्गत झांसी की रानी तिराहे के पास स्थित एस0डी0 गर्ल्स इण्टर कॉलिज, में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अतुल कुमार चौबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्या डॉ0 सविता सिंह द्वारा मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक यातायात का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अतुल कुमार चौबे द्वारा विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा नियमों के प्रति लापरवाही बरतने से गंभीर सड़क दुर्घटनाएं घटित होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिजनों एवं अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने, निर्धारित गति



सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने तथा नशे की हालत में कभी भी वाहन न चलाने की शपथ दिलाते हुए यातायात संकेतों एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। साथ ही यातायात उपनिरीक्षक श्री पुष्पेन्द्र कुमार द्वारा भी विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन से संबंधित प्रेरणादायक वीडियो भी दिखाए गए। इस दौरान पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण, विद्यालय के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रंग संसार

रणबीर कपूर की फिल्म को बनाते हैं सबसे अलग! पहले कभी नहीं देखे होंगे ऐसे सीन्स



नई दिल्ली। 9 साल के इंतजार के बाद नमित मल्होत्रा की पौराणिक फिल्म रामायणम का पहला पार्ट सिनेमाघरों में आ गया है। चाहे टीवी शोज हों या फिर फिल्में... भगवान श्रीराम की गाथा कई बार दिखाई जा चुकी है, लेकिन नमित मल्होत्रा की 4000 करोड़ की रामायण में ऐसा क्या खास है जो लोग सिनेमाघरों में इसे देखने के लिए जाएं? यह एक बड़ा सवाल था, जिसका जवाब अब लोगों को मिल गया है। रणबीर कपूर की रामायणम को लेकर काफी बज बना हुआ था। 5 नवंबर 2026 को लंबे इंतजार के बाद रामायणम का पहला भाग सिनेमाघरों में आया। दर्शकों ने देखा और इसकी खूब सराहना हो रही है। दर्शकों को फिल्म में ऐसे-ऐसे सीन्स देखने को मिले जिसे पहले पर्दे पर इतने डिटेल में नहीं दिखाया गया। इस आर्टिकल में हम आपको रामायण पार्ट 1 से जुड़ी पांच खास बातें बताने जा रहे हैं जो रामायणम को श्रीराम की गाथा पर बनी अन्य फिल्मों और सीरीज से अलग बनाती हैं। रामानंद सागर की रामायण हो या फिर अन्य पौराणिक फिल्में... उसमें हम रावण की शक्तियों और उसके दशानन से रावण बनने का जिक्र देखते हैं, लेकिन नितेश तिवारी निर्देशित रामायण में रावण की कहानी को उसके जन्म से दिखाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि असुर कुल में जन्मा रावण अपनी मां कैकसी और नाना सुमाली के साथ लंका में धरती के नीचे रहने पर मजबूर हो जाता है। बाद में अपने कुल का कल्याण करने के लिए वह ब्रह्मा जी का तप करता है और वरदान मांगता है कि उसे सिर्फ मनुष्य ही मार सकता है। वरदान पाकर वह तीनों लोकों पर राज करने लगता है। पहले पार्ट में रावण की जर्नी दिखाई गई है जो पहले कभी इतने विस्तार से देखने को नहीं मिली है। अब दूसरे पार्ट में दिखाया जाएगा कि भगवान राम और रावण कैसे आमना-सामना करेंगे। रावण का किरदार यश ने निभाया है। रामायण में हमेशा ही शूर्पणखा का जिक्र होता है क्योंकि वह महागाथा का अहम किरदार रहीं। उन्हीं की वजह से राम और रावण का युद्ध होता है।

राज काज

ट्रंप की हार से हिले एलन मस्क, एक ही झटके में डूबे 130 बिलियन डॉलर



नई दिल्ली। अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत और राजनीतिक बदलाव की 'ब्लू वेव' के चलते दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को तगड़ा झटका लगा। मस्क का टेक्सास स्थित बिजनेस एंपायर अब कड़ी जांच के दायरे में आ गया है। क्योंकि डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। चुनाव नतीजों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की अप्रत्याशित जीत के बाद बुधवार को टेस्ला के शेयरों में 3.3% और स्पेसएक्स के शेयरों में 3.8% की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस एक ही दिन के भीतर दोनों कंपनियों की संयुक्त मार्केट वैल्यू से करीब 130 अरब डॉलर साफ (करीब 12.27 लाख करोड़) हो गए। एलन मस्क रिपब्लिकन पार्टी के एक प्रमुख और बड़े डोनर रहे हैं, इसलिए अमेरिका में डेमोक्रेट्स की इस बड़ी जीत ने उनके कारोबार के सामने नए राजनीतिक जोखिम खड़े कर दिए हैं। चुनाव से पहले ही बाजार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि यदि संसद में डेमोक्रेट्स का दबदबा बढ़ता है, तो वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास में बाधा डाल सकते हैं, मस्क के कामकाज की कड़ी छानबीन कर सकते हैं और टेस्ला तथा स्पेसएक्स के बीच संभावित मेगा-मर्जर को भी रोक सकते हैं। टेक्सास में डेमोक्रेट्स के जीतने से अब मस्क के राजनीतिक विरोधियों को ओवल ऑफिस यानी राष्ट्रपति भवन के संभावित वीटो को दरकिनार कर उनके ऑपरेशंस में रुकावट डालने का आसान रास्ता मिल गया है। टाइगरिश फाइनेंशियल पार्टनर्स के मुख्य निवेश अधिकारी इवान फीनसेथ ने कहा कि, "टेक्सास का 'ब्लू' होना मस्क के लिए एक नया राजनीतिक संकट पैदा करता है, खासकर तब जब उन्होंने अपने बिजनेस साम्राज्य के केंद्र के रूप में इसी राज्य पर सबसे ज्यादा निवेश किया है।"

दैनिक राशिफल शुक्रवार 06 नवम्बर 2026

मेष – व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

वृष – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी।

कर्क – आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें।

सिंह– लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

कन्या – कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा।

तुला – समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

वृश्चिक – व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें।

धनु – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा।

मकर – मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कुंभ – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मीन – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

6 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	07.00 ब.से
धनु	09.16 बजे से
मकर	11.21 बजे से
कुंभ	13.08 बजे से
मीन	14.40 बजे से
मेष	16.11 बजे से
वृष	17.51 बजे से
मिथुन	19.49 बजे से
कर्क	22.03 बजे से
सिंह	00.19 बजे से
कन्या	02.31 बजे से
तुला	04.41 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 310 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्

खतौली की सड़कों पर अतिक्रमण का जाल: दुकानदारों के कब्जे और बेकाबू वाहनों से यातायात ध्वस्त, राहगीरों का चलना भी दुश्वार

त्योहारी सीजन में भी ध्वस्त व्यवस्था को लेकर नगरवासियों ने की ख्त कार्रवाई की मांग

खतौली (मुजफ्फरनगर)। दीपावली और आगामी पर्वों के मद्देनजर बाजारों में बढ़ रही भीड़ के बीच कस्बा खतौली की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मुख्य सड़कों से लेकर अंदरूनी बाजारों तक अतिक्रमण का मकड़जाल इस कदर फैल चुका है कि आम नागरिकों का पैदल चलना तक दूभर हो गया है। एक तरफ जहां दुकानदारों ने 'सेल' और विशेष छूट के नाम पर दुकानों का सामान सड़कों के बीचों-बीच सजा दिया है, वहीं दूसरी तरफ बेतरतीब दौड़ रहे ई-रिक्शाओं और डग्गामार वाहनों के जमावड़े ने स्थिति को विस्फोटक बना दिया है। प्रमुख बाजारों की सड़कें बनीं संकरी

त्योहारी सीजन का फायदा उठाने के लिए व्यापारियों में दुकानों के बाहर सामान फैलाने की होड़ मची है। इसके चलते खतौली के सबसे व्यस्ततम इलाकों– जीटी रोड, बुढ़ाना रोड और जानसठ रोड के साथ-साथ पारंपरिक बड़ा बाजार तथा बिद्दीबाड़ा बाजार में सड़कें बेहद संकरी हो गई हैं। सुबह से शाम तक इन मार्गों पर रेंगते वाहन और खरीदारी करने आए लोगों की भीड़ के कारण दिन में दर्जनों बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को कुछ ही दूरी तय करने में घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है।

नगर पालिका की रसीद पर उठे सवाल

अतिक्रमण की सबसे चिंताजनक तस्वीर जीटी रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के बाहर देखने को मिल रही है। बैंक परिसर के मुख्य द्वार तक अवैध रूप से थड़े और फड़ लगा लिए गए हैं, जिससे बैंक कार्य के लिए आने वाले ग्राहकों को अंदर प्रवेश करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस



अतिक्रमण के पीछे बैंक भवन स्वामी की कथित मूक सहमति तो है ही, साथ ही अतिक्रमणकारी नगर पालिका परिषद की रसीद होने का दावा कर बेखौफ दुकानें जमा रहे हैं। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली और नगर पालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रशासनिक उदासीनता से बढ़ा आक्रोश

कस्बेवासियों का आरोप है कि यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने और अतिक्रमण हटाने का जिम्मा संभालने वाले पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह उ-दासीन बने हुए हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। सड़कों पर फैले सामान और वाहनों के अनियंत्रित जमावड़े के कारण आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं और किसी बड़े हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है। नागरिकों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। अतिक्रमण और जाम की समस्या से त्रस्त खतौली के नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस के आला अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की गु-हार लगाई है। कस्बावासियों की मांग है कि त्योहारों के दौरान बाजारों और प्रमुख मार्गों पर विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए। सड़कों पर अवैध रूप से सजाए गए सामान को जब्त कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। बाजारों में ई-रिक्शाओं के प्रवेश के लिए रूट डायवर्जन लागू किया जाए तथा डग्गामार वाहनों के अवैध स्टैंड हटाए जाएं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कड़े कदम नहीं उठाए गए, तो त्योहारी खरीदारी के मुख्य दिनों में कस्बे की स्थिति और अधिक भयावह हो सकती है।

एमजी पब्लिक स्कूल की छात्राओं का राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में दबदबा

समृद्धि त्यागी ने प्रथम, प्राक्षी चैधरी ने द्वितीय और वैष्णवी कादियान ने तृतीय पुरस्कार जीतकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

मुजफ्फरनगर। एमजी पब्लिक स्कूल की तीन छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नेशनल परफॉर्मिंग आर्ट्स चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष तीन पुरस्कार अपने नाम किए हैं। छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय और जनपद का गौरव बढ़ा है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तीनों छात्राओं ने आगामी इंटरनेशनल परफॉर्मिंग चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे विद्यालय में हर्ष का वातावरण है। एम.जी. पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने बताया कि उत्तर प्रदेश परफॉर्मिंग आर्ट्स यूनिट की ओर से युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और नृत्य कला के क्षेत्र में उनकी क्षमता को पहचानने के उद्देश्य से जम्मू के अभिनव थिएटर में 26 से 28 अक्टूबर तक नेशनल



परफॉर्मिंग आर्ट्स चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने नृत्य कला में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने बताया कि विभिन्न आयु वर्गों में हमारे विद्यालय की तीन छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। इसमें स्कूल की कक्षा 3 की छात्रा समृद्धि त्यागी ने प्रथम, कक्षा 7 की छात्रा प्राक्षी चौधरी ने द्वितीय और कक्षा 5 की छात्रा वैष्णवी कादियान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ ही तीनों छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की पात्रता भी हासिल कर ली है।

यूपी विधानसभा चुनाव-2027: जंग से पहले भाजपा-संघ की बड़ी तैयारी, अब हर बूथ पर साथ उतरेंगे कार्यकर्ता

प्रदेशभर की विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संवाद करने की योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज करनी शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ जमीनी स्तर पर समन्वय मजबूत करने की रणनीति तैयार की है। पदयात्राओं के बाद अब घर-घर संपर्क और संवाद अभियान को प्रमुखता दी जाएगी। इस अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संघ के स्वयंसेवक भी सक्रिय भागीदारी करेंगे। योजना के तहत प्रदेश के बूथ स्तर पर संयुक्त टीमें गठित की जाएंगी। ये टीमें घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगी और उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं तथा स्थानीय मुद्दों की जानकारी जुटाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम चौपाल आयोजित कर लोगों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने की भी तैयारी है। भाजपा की रणनीति के मुताबिक, पार्टी कार्यकर्ताओं और संघ के स्वयंसेवकों को एक साथ जोड़कर बूथवार टीमें तैयार की जाएंगी। इन टीमों को स्थानीय क्षेत्रों में संपर्क और संवाद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से मिलेंगे और क्षेत्र की समस्याओं तथा जनभावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। इस अभियान में केवल संगठनात्मक गतिविधियों पर जोर नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के साथ सीधा संवाद भी प्राथमिकता में शामिल होगा। गांवों में ग्राम चौपाल के माध्यम से लोगों की नाराजगी, अपेक्षाओं और विकास से जुड़े मुद्दों को समझने की योजना है। भाजपा की ओर से पहले पदयात्राओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की कवायद की गई। अब इसके अगले चरण में जनसंपर्क अभियान को विस्तार देने की तैयारी है। पार्टी का जोर मतदाताओं तक सीधे पहुंचने और उनके साथ नियमित संवाद



बनाए रखने पर रहेगा।संयुक्त टीमें स्थानीय स्तर पर लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को संगठन तक पहुंचाने का काम करेंगी। इससे बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता और क्षेत्रीय मुद्दों की जानकारी जुटाने में मदद मिलने की उम्मीद है। दरअसल, भाजपा और संघ के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल को लेकर समय-समय पर चचाएं सामने आती रही हैं। चुनाव से पहले दोनों संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना पार्टी की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। संयुक्त टीमों के गठन से कार्यकताओं के बीच संपर्क बढ़ाने और साझा जिम्मेदारियों के साथ काम करने पर जोर रहेगा। भाजपा चाहती है कि संघ के सांगठनिक नेटवर्क और पार्टी के चुनावी तंत्र के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो, ताकि बूथ स्तर तक संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाया जा सके। ग्रामीण इलाकों में ग्राम चौपाल के आयोजन को इस अभियान का अहम हिस्सा बनाया गया है। इन चौपालों में स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों की जानकारी जुटाई जाएगी। इस दौरान लोगों की नाराजगी और अपेक्षाओं को भी समझने का प्रयास किया जाएगा। इससे संगठन को स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे मुद्दों की जानकारी मिलेगी और कार्यकर्ता उन्हें संबंधित स्तर तक पहुंचा सकेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा बूथ प्रबंधन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी में है। पार्टी की रणनीति है कि चुनाव से काफी पहले ही बूथ स्तर पर कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाई जाए और मतदाताओं के साथ नियमित संपर्क स्थापित किया जाए।

गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 रुपये कुंतल घोषित करे सरकार, वरना 2027 में भाजपा को वोट नहीं देंगे किसानरू भगत सिंह वर्मा

भाकियू वर्मा ने सरकार को दी बड़े आंदोलन की चेतावनी, 121 चीनी मिलों पर 19 हजार करोड़ रुपये ब्याज बकाया होने का दावा; किसानों के खातों में 10 हजार करोड़ रुपये सीधे भेजने की मांग

मुजफ्फरनगर। गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी और बकाया भुगतान की मांग को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ने लगा है। भारतीय किसान यूनियन वर्मा ने प्रदेश सरकार से गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 रुपये प्रति कुंतल घोषित करने की मांग उठाते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने साफ कहा कि यदि सरकार ने गन्ने का मूल्य 700 रुपये प्रति कुंतल घोषित नहीं किया तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में किसान भाजपा को वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान अब अपने हक की लड़ाई के लिए संगठित हो रहे हैं और गांव-गांव पंचायतों तथा जनजागरण अभियान के माध्यम से आंदोलन की तैयारी की जा रही है। महा-वीर चौक स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित किसानों की बैठक को संबोधित करते हुए भगत सिंह वर्मा ने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से प्रदेश के गन्ना किसानों का लगातार शोषण हो रहा है। चीनी मिलों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, जबकि किसान आर्थिक संकट और कर्ज के बोझ में दबते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयां, कृषि यंत्र और मजदूरी लगातार महंगी होने से गन्ने की उत्पादन लागत 550 रुपये प्रति कुंतल से अधिक पहुंच गई है। इसके बावजूद किसानों को उनकी लागत के अनुरूप मूल्य नहीं मिल रहा है। ऐसे में सरकार को तत्काल 700 रुपये प्रति कुंतल लाभकारी मूल्य घोषित करना चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने दावा किया कि प्रदेश की 121 चीनी मिलों पर गन्ना भुगतान में देरी के कारण करीब 19 हजार करोड़ रुपये का ब्याज बकाया है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि किसानों का बकाया गन्ना भुगतान और पिछले वर्षों में देरी से किए गए भुगतान पर देय ब्याज तत्काल दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि भुगतान में देरी होने से किसान आर्थिक परेशानियों से जूझते हैं और खेती के लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ता है। किसान नेता ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में गन्ना क्षेत्र से जुड़े राजस्व के रूप में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए हैं। उन्होंने मांग की कि इसमें से 10 हजार करोड़ रुपये सीधे प्रदेश के गन्ना किसानों के बैंक खातों में भेजे जाएं। उन्होंने पंजाब स-रकार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां वर्ष 2025-26 के गन्ना सीजन में किसानों को 67 रुपये 50 पैसे प्रति कुंतल अतिरिक्त भुगतान किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार को भी किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह के कार्यकाल में गन्ना मूल्य में हुई बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कहा कि खेती की लागत और अन्य खर्चों में कई गुना वृद्धि हो चुकी है, लेकिन गन्ने का मूल्य उस अनुपात में नहीं बढ़ा। उन्होंने भारत रत्न डॉ. एमएस स्वामीनाथन की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि किसानों की सभी उत्पादन लागतों को जोड़कर उस पर 50 प्रतिशत लाभ देते हुए फसलों का मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

बुढ़ाना में बजाज चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू: वैदिक विधि-विधान और हवन-पूजन से हुआ शुभारंभ, 11 नवंबर से चलेगी मिल

अखंड रामायण पाठ के बाद हुआ हवन, अधिकारियों, किसान नेताओं और समिति के प्रतिनिधियों ने दी आहुतियां

बुढ़ाना (मुजफ़्फरनगर)। क्षेत्र के गन्ने के प्रमुख केंद्र भैसाना स्थित बजाज हिंदुस्तान चीनी मिल के नए पेराई सत्र का शुभारंभ धार्मिक अनुष्ठान और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना के साथ कर दिया गया है। पेराई सत्र के निर्विघ्न संचालन और क्षेत्र के किसानों की खुशहाली की कामना को लेकर मिल प्रशासन द्वारा विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अखंड रामायण पाठ और हवन-पूजन से भक्तिमय हुआ परिसर

पेराई सत्र के उपलक्ष्य में चीनी मिल के मंदिर प्रांगण में बुधवार को अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया था, जिसका पूर्णाहुति के साथ गुरुवार सुबह समापन हुआ। तत्पश्चात पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य हवन, पूजन एवं महाआरती का आयोजन किया गया। हवन-पूजन में मिल के उच्च अधिकारियों, किसान नेताओं और समिति के प्रतिनिधियों ने आहुतियां देकर नए पेराई सत्र की सफलता की प्रार्थना की। कैन कैरियर में गन्ना डालकर किया गया पेराई का



शुभारंभ

धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होने के उपरांत अतिथियों और मिल अधिकारियों ने मिल परिसर स्थित कैन कैरियर में गन्ना डालकर पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से चंद्रवीर सिंह (इकाई प्रमुख, बजाज चीनी मिल), निर्भय सहरावत (अध्यक्ष, गन्ना विकास सहकारी समिति) और संजय सिंह (एससीडी-ीआई, गन्ना समिति) समेत क्षेत्र के अनेक गणमान्य किसान और मिल कर्मचारी उपस्थित रहे। 11 नवंबर से पूरी क्षमता के साथ चलेगी मिल मिल प्रबंधन की ओर से जानकारी दी गई कि नए सत्र को सुचारू रूप से चलाने की सभी तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मिल प्रशासन द्वारा शुक्रवार को पहला गन्ना इंडेंट (गन्ना पर्ची) जारी कर दिया जाएगा। 11 नवंबर से चीनी मिल का संचालन पूर्ण रूप से और विधिवत शुरू कर दिया जाएगा। चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों में भारी उत्साह है, क्योंकि इससे वे अपनी गेहूं की बुवाई के लिए खेतों को समय पर खाली कर सकेंगे।

बुढ़ाना में यूपी ग्रामीण बैंक पर किसानों ने जड़ा ताला: अधिकारियों-कर्मचारियों को बनाया बंधक, धरना स्थल पर ही दीपावली मनाने का ऐलान

बुढ़ाना में यूपी ग्रामीण बैंक में 16 करोड़ के गबन मामले में 25वें दिन फूटा गुस्सा

बुढ़ाना (मुजफ़्फरनगर)। यूपी ग्रामीण बैंक की बुढ़ाना शाखा में हुए लगभग 16 करोड़ रुपये के भारी गबन और जमा पूंजी न मिलने से आक्रोशित किसानों का धैर्य 25वें दिन पूरी तरह टूट गया। गुरुवार को जांच रिपोर्ट की जानकारी देने पहुंचे बैंक के क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय प्रबंधकों के वक्तव्य से असंतुष्ट किसानों ने बैंक का मुख्य दरवाजा बंद कर अधिकारियों व कर्मचारियों को परिसर के भीतर ही बंधक बना लिया। किसानों ने ऐलान किया है कि जब तक उनका पाई-पाई पैसा वापस नहीं मिलता, वे बैंक परिसर के बाहर से नहीं हटेंगे और अपनी दीपावली वहीं मनाएंगे।

304 शिकायतों की जांच पूरी, 16 करोड़ के गबन की पुष्टि

आंदोलनकारी किसानों के बीच पहुंचे बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अजय प्रताप सिंह और उप-क्षेत्रीय प्रबंधक (ऊम्र) नवदीप सिंह ने जानकारी दी कि अब तक प्राप्त 304 शिकायतों की विस्तृत जांच पूरी कर ली गई है। जांच रिपोर्ट लखनऊ स्थित बैंक मुख्यालय को भेज दी गई है, जिसमें प्राथमिक तौर पर लगभग 16 करोड़ रुपये का घोटाला/गबन सामने आया है। अधिकारियों ने बताया कि दीपावली के बाद बैंक के केंद्रीय बोर्ड की बैठक आयोजित होगी, जिसमें किसानों के पैसों के हस्तांतरण पर अंतिम मुहर लगेगी।

शादी वाले परिवारों को पहले भुगतान की घोषणा पर भड़के किसान

बैंक अधिकारियों ने किसानों को शांत करने के लिए प्रस्ताव रखा कि सबसे पहले उन 19 पीड़ित किसानों का भुगतान (लगभग 1 करोड़ 25 लाख रुपये) किया जाएगा, जिनके घरों में



शादी-ब्याह या अत्यंत आवश्यक कार्य हैं। इनकी सूची तैयार कर मुख्यालय भेजी जा चुकी है। हालांकि, बोर्ड बैठक के बाद भुगतान करने और केवल 19 लोगों को प्राथमिकता देने की घोषणा सुनते ही धरना स्थल पर भारी हंगामा खड़ा हो गया। किसानों का कहना था कि जांच रिपोर्ट आने के बाद भी तुरंत भुगतान न करना किसानों के साथ धोखा है।

मुख्य गेट पर जड़ा ताला, अधिकारियों को बनाया बंधक

अधिकारियों के आश्वासन से असंतुष्ट किसानों ने तत्काल प्रभाव से बैंक के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया और अंदर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को बाहर निकलने से रोक दिया। किसानों ने दो टूक कहा कि दीपावली का त्योहार सिर पर है और हमारा अपना जमा पैसा हमें नहीं दिया जा रहा। अब हम घर नहीं जाएंगे, हमारी दीपावली इसी बैंक परिसर के सामने बनेगी। अधिकारी जब तक लिखित समाधान और तुरंत भुगतान नहीं देते, तब तक यहीं रहेंगे।

तहसीलदार और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात

बैंक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने और माहौल गरमाने की सूचना मिलते ही तहसीलदार भूपेंद्र सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन, बैंक प्रबंधन और किसान नेताओं के बीच गतिरोध दूर करने के लिए वार्ता के दौर चल रहे थे, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

बुढ़ाना में लगा व्यापारी जागरूकता शिविर: पुराने कर बकाए पर मिलेगी ब्याज माफी, राज्य कर अधिकारी ने दी जानकारी

शिविर में क्षेत्र के दर्जनों व्यापारियों और व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने लिया हिस्सा

बुढ़ाना (मुजफ़्फरनगर)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई ब्याज माफी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा स्थानीय व्यापारियों को इसका अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से कस्बे में एक विशेष व्यापारी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के दर्जनों व्यापारियों और व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पुराने कर प्रकरणों के निस्तारण के लिए लाई गई योजना

शिविर को संबोधित करते हुए राज्य कर अधिकारी सुधीर कुमार ने व्यापारियों को योजना के प्रावधानों, पात्रता शर्तों, देय ब्याज में छूट के नियमों और आवेदन करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न पुराने कर अधिनियमों के तहत लंबे समय से लंबित पड़ी बकाया मांगों के त्वरित व पारदर्शी निस्तारण के लिए यह ब्याज माफी योजना लागू की है।



योजना के तहत पात्र व्यापारियों को अपने मूल बकाया कर का भुगतान करने पर उस पर बनने वाले भारी-भरकम देय ब्याज में विशेष छूट का प्रावधान किया गया है।

निर्धारित अवधि में आवेदन कर लाभ उठाने की अपील

राज्य कर अधिकारी सुधीर कुमार ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि व्यापारी अपने लंबित कर प्रकरणों की जानकारी विभाग से प्राप्त करें और किसी भी भ्रम से बचते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करें। यह योजना व्यापारियों को अपने पुराने कर बकाए से राहत पाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करती है।

व्यापार संगठन के पदाधिकारी भी रहे मौजूद

जागरूकता शिविर के दौरान व्यापार संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों और वरिष्ठ व्यापारियों ने भी अपने विचार रखे। व्यापारिक प्रतिनिधियों ने शासन की इस योजना को व्यापारी हित में बताया और विभाग से मांग की कि आवेदन प्रक्रिया को सरल और पा-रदर्शी बनाए रखा जाए ताकि अधिक से अधिक व्यापारी इसका लाभ उठा सकें। शिविर के अंत में व्यापारियों की शंकाओं और प्रश्नों का राज्य कर अधिकारी द्वारा समाधान भी किया गया।

दीपावली के दीपों से रोशन हुई गंगा-जमुनी तहजीब, मुस्लिम समाज ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

सद्भावना मंच सेक्युलर फ्रंट के दीपावली मिलन समारोह में विभिन्न धर्मों के लोग एक मंच पर जुटे, सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा बोले–आपसी प्रेम और भाईचारा ही भारत की असली पहचान

मुजफ्फरनगर। त्योहारों की असली खूबसूरती केवल खुशियां मनाने में नहीं, बल्कि उन खुशियों को एक-दूसरे के साथ बांटने में होती है। जब अलग-अलग धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर प्रेम और अपनत्व का परिचय देते हैं, तो भारतीय संस्कृति की साझा विरासत और भी मजबूत होती है। मुजफ्फरनगर में दीपावली के अवसर पर ऐसा ही खूबसूरत नजारा देखने को मिला, जहां मुस्लिम समाज के लोगों ने दीपावली मिलन समारोह आयोजित कर गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की। बघरा तांगा स्टैंड स्थित प्रयत्न पार्क में सद्भावना मंच सेक्युलर फ्रंट की ओर से परंपरागत दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हिंदू, मुस्लिम, सिख सहित विभिन्न समुदायों और विचारधाराओं से जुड़े गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और मिठाई खिलाकर खुशियां साझा कीं।

दीप प्रज्वलित कर दिया एकता और अखंडता का संदेश

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीपों की रोशनी के बीच



उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा वर्षों से दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह पहल केवल एक त्योहार मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के बीच आपसी विश्वास, सम्मान और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम बन चुकी है।

गोहर सिद्दीकी ने कहा, त्योहार समाज को जोड़ने का काम करते हैं

कार्यक्रम संयोजक गोहर सिद्दीकी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत विविधता में एकता है। यहां अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग एक साथ रहते हैं। त्योहार समाज को जोड़ने और आपसी रिश्तों में मिठास घोलने का काम करते हैं। दीपावली का पर्व प्रकाश, खुशहाली और सकारात्मकता का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से लोगों को एक-दूसरे की संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर मिलता है। समाज में प्रेम, सद्भाव और इंसानियत की भावना को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

राकेश शर्मा बोले, गंगा-जमुनी तहजीब और भाईचारा ही भारत की असली पहचान

समारोह में मौजूद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने कहा कि भारत की खूबसूरती उसकी गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे में बसती है। यहां विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग अपनी-अपनी परंपर-ाओं के अनुसार त्योहार मनाते हैं और एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होकर देश की साझा संस्कृति को मजबूत करते हैं। दीपावली मिलन जैसे आयोजन समाज में प्रेम, विश्वास और सद्भावना का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और मजहब के नाम पर लोगों के बीच दूरियां पैदा करने के बजाय एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर मोहब्बत का पैगाम देना चाहिए।

समाज में नफरत की जगह आपसी विश्वास और भाईचारे को बढ़ावा देना

ही आज की सबसे बड़ी जरूरत है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों को भी एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं।

राजनीतिक, सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र की हस्तियों ने की शिरकत

समारोह में उद्योगपति अशोक अग्रवाल, सपा के राष्ट्रीय सचिव र-ाकेश शर्मा, असद फारूकी, वरिष्ठ व्यापारी कृष्ण गोपाल मित्तल, योगेंद्र बालियान, संजय शर्मा (शौर्य होटल), पूर्व बार संघ अध्यक्ष वसी अंसारी, पैगाम-ए-इंसानियत के सदर हाजी आसिफ राही, महबूब आलम एड-वोकेट, डॉ. साजिद, राकेश त्यागी, व्यापारी नेता तरुण मित्तल, दीपक गंभीर, सरदार सतनाम सिंह हँसपाल, मास्टर इसरार खान, शमीम कस्सार, राहिल सिद्दीकी, इकराम कस्सार, बदर खान, डॉ. शाहवेज मुर्शीद खान, डॉ. आसिफ, इंजीनियर नफीस राना, हाजी दिलशाद अंसारी, मास्टर दिलशाद, कफील अनवर, उमर खान, बंटी शर्मा, विराट एडवोकेट, सोनू सरवट और ईशान अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नफरत की दीवारों के बीच मोहब्बत का पैगाम बना समारोह

समारोह में मौजूद लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर आपसी सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि सामाजिक एकता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख और त्योहारों में सहभागी बनने से मजबूत होती है। दीपावली मिलन समारोह ने साबित किया कि मजहब और पूजा-पद्धतियां भले ही अलग हों, लेकिन इंसानियत, मोहब्बत और वतन से प्रेम का रिश्ता सभी को एक सूत्र में बांधता है। मुस्लिम समाज की इस पहल ने भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को सामने रखा, जिसमें एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करना और मिल-जुलकर खुशियां मनाना हमारी पहचान रही है। प्रयत्न पार्क में जले दीपों की रोशनी ने सिर्फ दीपावली का उत्सव नहीं मनाया,

डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन के 54वें शपथ ग्रहण समारोह में नई कार्यकारिणी ने संभाली कमान

अध्यक्ष और महामंत्री सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ, वरिष्ठ अधिवक्ता शमीम अहमद विशेष पुरस्कार से सम्मानित

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन का 54वां शपथ ग्रहण समारोह एवं दीपावली उत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विधिवत पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण कर संगठन की जिम्मेदारी संभाली। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं, एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कर विभाग के अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और कर विभाग के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता शमीम अहमद तथा अधिवक्ता एसके वत्स को विशेष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहारनपुर की एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 रूबी सिंह शामिल हुईं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुजफ्फरनगर के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-2 (अपील) अरुण कुमार सिंह तथा सहारनपुर के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-2 (एसआईबी) वीएन पाण्डेय उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि और एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि रूबी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कर अधिवक्ता और कर विभाग एक-दूसरे के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। कर संबंधी मामलों के निस्तारण और करदाताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दोनों के बीच आपसी तालमेल और सकारात्मक समन्वय बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संवाद और सहयोग के माध्यम से अनेक समस्याओं का बेहतर समाधान निकाला जा सकता है। अधिवक्ताओं और विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर संबंधों से कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि एसोसिएशन भविष्य में भी अधिवक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्ञानवर्धक और उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। उन्होंने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। समारोह का प्रमुख आकर्षण नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ



ग्रहण कार्यक्रम रहा। कमेटी के चेयरमैन ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान पदाधिकारियों ने संगठन की गरिमा बनाए रखने, अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा करने और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में अधिवक्ता अजय कुमार अग्रवाल को अध्यक्ष तथा अधिवक्ता मनीष कुमार शर्मा को महामंत्री चुना गया। उपाध्यक्ष पद पर अधिवक्ता एसके वत्स एवं अधिवक्ता धर्मेन्द्र तायल को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं सचिव पद पर अधिवक्ता रूमित अग्रवाल एवं अधिवक्ता वर्णिका निगम को मनोनीत किया गया। नई टीम के पदभार ग्रहण करने पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शमीम अहमद तथा अधिवक्ता एसके वत्स को विशेष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन की ओर से दोनों अधिवक्ताओं को सम्मानित किए जाने पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की। सम्मान समारोह आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। इस दौरान संगठन के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव और योगदान को भी सराहा गया। शपथ ग्रहण समारोह के साथ आयोजित दीपावली उत्सव में मनोरंजक और आकर्षक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंक्चुएलिटी अवार्ड और लकी ड्रॉ रहा। समय की पाबंदी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंक्चुएलिटी अवार्ड दिए गए, जबकि लकी ड्रॉ के आयोजन ने सदस्यों के बीच उत्साह का माहौल बनाया। दीपावली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में आपसी मेलजोल, सौहार्द और संगठनात्मक एकता की झलक देखने को मिली। पूरे समारोह की आयोजन व्यवस्था चेयरमैन शक्ति सागर गोयल एडवोकेट एवं अमरकान्त गुप्ता एडवोकेट के नेतृत्व में संपन्न हुई। मास्टर ऑफ सेरेमनी आरके मलिक एडवोकेट ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने अतिथियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और एसोसिएशन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि रूबी सिंह ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि एसोसिएशन अधिवक्ताओं के व्यावसायिक हितों, उनके ज्ञानवर्धन और कर विभाग के साथ बेहतर समन्वय की दिशा में निरंतर प्रयास करती रहेगी। 54वें शपथ ग्रहण समारोह एवं दीपावली उत्सव के माध्यम से मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन ने संगठनात्मक एकता और आपसी सहयोग का संदेश दिया।

खतौली में महिला की शिनाख्त करने में जुटी पुलिसः हरिद्वार में मिला शव, जेब से मिला खतौली का टिकट

परिजनों की शिनाख्त में जुटी पुलिस, आमजन से मदद की अपील

खतौली/हरिद्वार। धार्मिक नगरी हरिद्वार में एक अज्ञात महिला के मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस द्वारा महिला की तलाशी लेने पर उसके पास से खतौली का एक बस/रेलवे टिकट बरामद हुआ है। टिकट के आधार पर पुलिस यह अंदेशा जता रही है कि महिला खतौली या उसके आसपास के किसी ग्रामीण क्षेत्र की निवासी हो सकती है। फिलहाल महिला की मानसिक स्थिति और उसकी पहचान स्पष्ट न होने के कारण पुलिस ने उसके परिजनों की तलाश तेज कर दी है। खतौली से जुड़े तार, परिजनों तक पहुंचने की कोशिश

पुलिस के अनुसार, हरिद्वार में मिली महिला अपनी पहचान बताने में असमर्थ नजर आ रही है। हालांकि, उसके पास से मिले खतौली के टिकट ने पुलिस को एक महत्वपूर्ण सुराग दिया है। पुलिस का अनुमान है कि महिला हाल ही में खतौली से यात्रा करके हरिद्वार पहुंची है या फिर उसका स्थायी निवास खतौली क्षेत्र में ही है। इस सुराग के आधार पर हरिद्वार पुलिस ने खतौली पुलिस से



संपर्क साधा है और क्षेत्र में हाल ही में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्टों का भी ब्योरा खंगाला जा रहा है।

सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध

महिला को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाते हुए पुलिस प्रशासन ने आम जनता से शिनाख्त में सहयोग की भावुक अपील की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि कोई नागरिक इस महिला के बारे में कोई जानकारी रखता है या उसे पहचानता है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करे। यदि आपके पास इस महिला या उसके परिवार के संबंध में कोई भी जानकारी है, तो कृपया खतौली कोतवाली पुलिस के मोबाइल नंबर 9454404072 पर तत्काल संपर्क करें। सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने का आग्रह

पुलिस प्रशासन ने क्षेत्रीय नागरिकों और सोशल मीडिया उपयोगकताओं से इस सूचना को ज्यादा से ज्यादा साझा (रँशी) करने का आग्रह किया है, ताकि महिला का संदेश उसके परिजनों तक जल्द से जल्द पहुंच सके और उसे सुरक्षित उसके घर पहुंचाया जा सके।

दीपावली पर बाजारों में वाहनों की एंट्री पर पाबंद

पांच से 11 नवंबर 2026 तक बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था-धनतेरस, दीपावली और भैयादूज को लेकर यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

मुजफ्फरनगर। धनतेरस, दीपावली और भैयादूज के त्योहारों पर शहर के प्रमुख बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को जाम से बचाने और आवागमन सुचारू बनाए रखने के लिए 5 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक विशेष यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों के आवागमन को नियंत्रित किया जाएगा। शिव चौक की ओर जाने वाले कई रास्तों पर ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, जबकि कुछ मार्गों पर वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से गुजारा जाएगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित मार्गों का पालन करने और बाजारों में वाहन खड़े करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ बढ़ने के कारण मालवीय चौक, शिव चौक, मीनाक्षी चौक, भगत सिंह रोड, नावल्टी चौक और झांसी की रानी जैसे प्रमुख स्थानों पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए इन क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यह व्यवस्था 5 नवंबर से 11 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक प्रभावी रहेगी। ट्रैफिक प्लान के तहत मालवीय चौक से शिव चौक की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों को चर्च रोड के सामने से फायर स्टेशन, मूलचंद स्वीट्स और आलू मंडी होते हुए मीनाक्षी चौक की ओर निकाला जाएगा। इस मार्ग पर ई-रिक्शा केवल फायर स्टेशन तक ही संचालित हो सकेंगी। नगर पालिका परिषद गेट से शिव चौक की ओर रिक्शा का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वहीं मीनाक्षी चौक और लोहा मंडी कट से शिव चौक की ओर ई-रिक्शा का संचालन पहले की तरह पूरी तरह बंद रहेगा। नावल्टी चौक से भी



शिव चौक की दिशा में ई-रिक्शा नहीं जा सकेंगी। हनुमान चौक से भगत सिंह रोड होते हुए शिव चौक की ओर जाने वाले सभी प्रकार के चार पहिया वाहनों और ई-रिक्शा का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार प्रकाश चौक से शिव चौक की ओर जाने वाली ई-रिक्शा केवल फायर सर्विस स्टेशन तक ही जा सकेंगी। यहां से सभी ई-रिक्शा को यू-टर्न लेकर वापस लौटना होगा। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इन प्रतिबंधों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। शहर में यातायात का दबाव कम करने के लिए वन-वे व्यवस्था भी लागू की गई है। इसके तहत चर्च रोड, जिला परिषद मार्केट के सामने से फायर स्टेशन, झांसी की रानी, नगर पालिका होते हुए चर्च रोड तक यातायात का संचालन एक दिशा में किया जाएगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत जिला परिषद मार्केट के सामने से किसी भी प्रकार के वाहन को चर्च रोड पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। वाहन चालकों को निर्धारित दिशा में ही आगे बढ़ना होगा, ताकि बाजार क्षेत्र में आमने-सामने वाहनों के फंसने और जाम की स्थिति पैदा न हो। यातायात पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक मीनाक्षी चौक, लोहा मंडी, भगत सिंह रोड, नावल्टी चौक और झांसी की रानी से शिव चौक की ओर ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा नगर पालिका परिषद गेट से भी शिव चौक की ओर रिक्शा नहीं जा सकेंगी। त्योहारी सीजन में बाजारों में ई-रिक्शा की अधिक आवाजाही से जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मार्गों पर प्रतिबंध लगाया गया है। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोग अपने वाहन निर्धारित स्थानों पर ही खड़े करें। सड़क पर इस प्रकार वाहन पार्क न करें, जिससे दूसरे वाहनों और राहगीरों का रास्ता बाधित हो। पुलिस ने कहा है कि थोड़ी सी लापरवाही भी मुख्य बाजारों में जाम की बड़ी वजह बन सकती है। प्रभारी यातायात राकेश कुमार और पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों के दौरान जारी यातायात व्यवस्था का पालन करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। निर्धारित डायवर्जन और वन-वे व्यवस्था के अनुसार ही आवागमन करें, जिससे धनतेरस, दीपावली और भैयादूज के अवसर पर बाजारों में खरीदारी करने आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

मीनाक्षी स्वरूप और गौरव स्वरूप ने की महाआरती, भक्तिमय संगीत से सराबोर हुआ परिसर

आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम का मीनाक्षी स्वरूप और गौरव स्वरूप ने किया शुभारंभ, आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हुए चिकित्सक

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेगराजपुर स्थित मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज के परिसर में 'आर्ट ऑफ लिविंग' की ओर से एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भक्ति संगीत से सजे इस दिव्य कार्यक्रम में मधुर भजनों की प्रस्तुतियों ने संपूर्ण कॉलेज परिसर को आध्यात्मिक और सकारात्मक वातावरण से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि नगरपालिका परिषद की चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप तथा मेडिकल कॉलेज के ट्रेजरार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप ने संयुक्त रूप से भगवान की पावन आरती कर किया। आयोजन में मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कीर्ति गोस्वामी सहित संस्थान के वरिष्ठ डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों, जूनियर डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों तथा गणमान्य अतिथियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों की लय पर उपस्थित चिकित्सक और छात्र झूमते नजर आए। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिन-रात मरीजों की सेवा में लगे रहने वाले डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को संगीत के माध्यम से मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और आत्मिक संतुलन प्रदान करना रहा। व्यस्त दिनचर्या में तनावमुक्ति का बेहतरीन माध्यम है संगीत



समारोह को संबोधित करते हुए नगरपालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि भजन और आध्यात्मिक संगीत हमारी भारतीय संस्कृति व सनातन परंपराओं की रीढ़ हैं।आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में इस तरह के आयोजन बेहद प्रासंगिक हैं। यह कार्यक्रम व्यक्ति को कुछ पल ठहरकर स्वयं से जुड़ने, आत्मिक शांति पाने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का दुर्लभ अवसर प्रदान करते हैं। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य गौरव स्वरूप ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संगीत और भक्ति का संगम मानव मस्तिष्क में सकारात्मक विचारों को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा जैसे संवेदनशील और निरंतर दबाव वाले पेशे में लगे लोगों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा संजीवनी का काम करती है।

कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के सीएमएस डॉ. कीर्ति गोस्वामी ने आए हुए सभी अतिथियों, कलाकारों और चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि दैनिक कार्यप्रणाली के बीच इस प्रकार के आयोजनों से उन्हें एक नई आध्यात्मिक अनुभूति और नई कार्य-ऊर्जा प्राप्त हुई है।

खतौली में तीसरी बार रालोद क्षेत्रीय महासचिव बनने पर धर्मेन्द्र का स्वागतः शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

खतौली में कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और ढोल नगाडों से किया अभिनंदन

खतौली (मुज़फ़्फ़रनगर)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की क्षेत्रीय कमेटी का पुनर्गठन होने के बाद खतौली के वरिष्ठ पार्टी नेता धर्मेंद्र तोमर को लगातार तीसरी बार क्षेत्रीय महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस घोषणा के बाद खतौली विधानसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं में भारी उत्साह का माहौल है। मनोनयन के पश्चात नगर अध्यक्ष विनीत गुप्ता के कार्यालय पर आयोजित एक भव्य स्वागत समारोह में कार्यकताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार अभिनंदन किया। राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक द्वारा घोषित की गई नई क्षेत्रीय कमेटी में खतौली विधानसभा क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। धर्मेंद्र तोमर को तीसरी बार क्षेत्रीय महासचिव बनाए जाने के साथ-साथ जगदीश आर्य को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं विकास बालियान को क्षेत्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। इन नियुक्तियों से क्षेत्रीय स्तर पर संगठन को नया बल मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं से अभिनंदन

नियुक्ति की खबर मिलते ही



रालोद कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष विनीत गुप्ता के कार्यालय पर एकत्र हुए। नवनियुक्त क्षेत्रीय महासचिव धर्मेंद्र तोमर के आगमन पर उनका फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाइयां बांटकर भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित नेताओं ने एक सुर में कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने लगातार कर्मठ, अनुभवी और धरातल पर काम करने वाले कार्यकताओं पर विश्वास जताया है, जो संगठन को और अधिक गतिशील बनाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी के सिद्धांतों, चौधरी चरण सिंह और पार्टी आलाकमान की विचारधारा को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कार्यकताओं ने कहा कि धर्मेंद्र तोमर का लंबा संगठनात्मक अनुभव आगामी चुनावों और जन-आंदोलनों में पार्टी के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। स्वागत कार्यक्रम के दौरान रालोद के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से विनीत गुप्ता (नगर अध्यक्ष), हाजी नोसाद (जिला महासचिव), सचिन आर्य (जिला उपाध्यक्ष), टीनू मथेड़ी (जिला उपाध्यक्ष), गौरव शर्मा (युवा अध्यक्ष), सुशील सैनी, फुरकान सहित बड़ी संख्या में रालोद नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रतिनिधियों को बधाई दी और रालोद के शीर्ष नेतृत्व का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

अमित शाह के बयान से डरे हुए हैं अखिलेश यादवः कपिल देव

दीपावली मिलन समारोह में राज्यमंत्री ने सपा पर साधा निशाना, बोले-विकास के मुद्दों पर चर्चा करे विपक्ष, भ्रम फैलाने से नहीं होगा लाभ

मुजफ्फरनगर। मखियाली चेक पोस्ट स्थित एक बैंकट हॉल में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, व्यापारियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में दीपावली की शुभकामनाओं के साथ राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान राज्यमंत्री कपिल देव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का डर सता रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की मजबूती और जनता का विश्वास विपक्षी दलों की बेचैनी का कारण बना हुआ है। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री कपिल देव ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता सपा शासनकाल में व्याप्त अव्यवस्थाओं, भ्रष्टाचार, गुंडाराज, लूटपाट, सांप्रदायिक दंगों, आगजनी और महिलाओं के विरुद्ध हुए अत्याचारों को आज भी नहीं भूली है। उस समय प्रदेश की कानून-व्यवस्था किस स्थिति में थी, यह किसी से छिपा नहीं है। जनता ने लंबे समय तक भय और असुरक्षा के माहौल का सामना किया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने अपने अनुभवों के आधार पर भाजपा को समर्थन दिया और आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और बेहतर कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। कपिल देव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपराध और अराजकता के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। कानून का राज स्थापित करने के साथ ही विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। उत्तर प्रदेश आज निवेश, रोजगार, औद्योगिक विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के मामले में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बदलते माहौल और विकास की रफ्तार का असर साफ दिखाई दे रहा है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को भय और अव्यवस्था के माहौल से निकालकर विकास और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ाया है। राज्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के लखनऊ में दिए गए संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार का मजबूत जनाधार और संगठन की ताकत विपक्षी दलों की बेचैनी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव गृह मंत्री अमित शाह के बयान से डरे हुए हैं। भाजपा सरकार की मजबूती को अंगद के पैर के समान बताते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहे जितने प्रयास कर ले, भाजपा का मजबूत संगठन और प्रदेश की जनता का विश्वास अपने संकल्प से पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर भी राजनीतिक कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ रणनीति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही मजबूत सरकार से लगातार चुनौती मिल रही है। कपिल देव ने कहा कि विपक्षी दल विकास और जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करने के बजाय जनता के बीच भ्रम फैलाने और लोगों को गुमराह करने की राजनीति कर रहे हैं। देश और प्रदेश की जनता अब खोखले वादों के बजाय विकास, सुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहा है।

मुजफ्फरनगर में भगत सिंह रोड पर दिवाली बाजार में संघर्षः ठियों को लेकर पटरी दुकानदारों में मारपीट, पुलिस ने संभाला मोर्चा

शिव चौक से हनुमान चौक तक बेहतर जगह पाने की लगी है होड़: गुरुवार से नियम लागू करने के सख्त आदेश



मुजफ्फरनगर। दीपावली पर्व को लेकर शहर के सबसे व्यस्ततम व्यापारिक केंद्र 'भगत सिंह रोड' पर अस्थायी बाजार (फुटपाथ दुकानें) सजाने की होड़ खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। शिव चौक से लेकर हनुमान चौक तक सड़क के बीचों-बीच मनचाही और अच्छी जगह (ठिए) हासिल करने के चक्कर में बुधवार को कई पटरी दुकानदार आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क पर ही तीखी धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू हो गई, जिससे बाजार में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। पैसों के एवज में अवैध कब्जा कराने का आरोप

स्थानीय दुकानदारों का आरोप है कि इस विवाद के पीछे कुछ असामाजिक तत्वों और दलालों का हाथ है। आरोप है कि ये दलाल दुकानदारों से मोटी रकम वसूलकर अवैध रूप से सड़क पर मनपसंद स्थान दिला रहे थे। बिना प्रशासनिक अनुमति के समय से पहले ही जगह घेरने की इसी होड़ ने हिंसा का रूप ले लिया।

पुलिस की मुस्तैदी, समय से पूर्व लगे ठिए हटाए गए

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और आपस में उलझ रहे दुकानदारों को खदेड़ा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि तय व्यवस्था और नियमों के अनुसार ही दुकानें लगाने की अनुमति दी जाएगी। गुरुवार से निर्धारित व्यवस्था के तहत ही अस्थायी दुकानें लगाई जा सकेंगी। नियमों का उल्लंघन कर समय से पहले अतिक्रमण करने वालों की दुकानें हटा दी गई हैं और दोबारा ऐसा करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनु सैन बनीं उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर, कंधों पर सजे तीन स्टार

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में निभाई थी अहम भूमिका, गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने कंधों पर स्टार लगाकर किया पदोन्नत

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर की प्रतिभाशाली बेटी और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनु सैन ने खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के बाद अब उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर बनकर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शाहपुर क्षेत्र के गांव काकड़ा निवासी डॉ. नीरज कुमार की पुत्री अनु सैन को उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि गांव, क्षेत्र और पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी अनु की इस सफलता को उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। अनु सैन अंतरराष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी हैं और भारतीय महिला कबड्डी टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में उन्होंने भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व किया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। टीम की इस ऐतिहासिक सफलता में अनु सैन की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के लिए स्वर्ण पदक



जीतने वाली टीम का हिस्सा बनकर उन्होंने अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया था। अनु सैन की उपलब्धियों और पुलिस विभाग में उनकी पदोन्नति के अवसर पर गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने उन्हें इंस्पेक्टर पद के प्रतीक तीन स्टार कंधों पर लगाकर पदोन्नति प्रदान की। इस दौरान अनु सैन के चेहरे पर उपलब्धि की खुशी साफ दिखाई दी। पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर पद की जिम्मेदारी मिलने के साथ ही उनके करियर में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अनु सैन की उपलब्धि इसलिए भी खास है कि उन्होंने खेल और पुलिस सेवा दोनों क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित की है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनना और अब पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर पद तक पहुंचना

मुजफ्फरनगर के गांव कुटबी में वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्नः रेड आर्मी दिल्ली बनी विजेता, संजीव बालियान ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

शहीद मनोज मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में दिल्ली ने गुड़गांव को हराया

मुजफ्फरनगर। जनपद के ऐतिहासिक ग्रामीण अंचल स्थित ग्राम कुटबी में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और शहीद की स्मृति को नमन करने के उद्देश्य से आयोजित चार दिवसीय ह्यशहीद मनोज मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिताह्ल का गुरुवार को भव्य और रोमांचक समापन हो गया। गांव कुटबी में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के अंतिम दिन खिताबी जंग देखने को मिली, जिसमें देशभर से आई टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। फाइनल मैच का लुत्फ उठाने के लिए भारी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रेड आर्मी दिल्ली ने गुड़गांव को हराकर जीता खिताब

प्रतियोगिता का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला रेड आर्मी (दिल्ली) और गुड़गांव (हरियाणा) की टीमों के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों ने शुरूआत से ही एक-एक अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष किया



और अपने शानदार सर्विस व स्मैश से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। मैच के अंत में उत्कृष्ट तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए रेड आर्मी, दिल्ली की टीम ने फाइनल मुकाबले में गुड़गांव को हराकर प्रतियोगिता की चमचमाती ट्रॉफी और स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमा लिया।

मुख्य प्रायोजक मंगलम सीमेंट ने विजेताओं को किया सम्मानित

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मुख्य प्रायोजक के र



कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रातः उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अतः आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

पूजा घर से लेकर मेन गेट तक, धनतेरस पर घर की रौनक बढ़ाएंगे ये खूबसूरत रंगोली डिजाइन

नई दिल्ली। दीवाली की जगमगाहट और खुशियों की शुरूआत धनतेरस के दिन से ही हो जाती है। इस शुभ दिन पर मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर का स्वागत करने के लिए घरों को खूब सजाया जाता है। घर को सजाने की बात हो और रंगोली का जिक्र न आए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। हालांकि, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार हमारे पास समय की कमी होती है। इसलिए, हम आपके लिए लाए हैं कुछ ऐसे बेहतरीन रंगोली डिजाइन , जिन्हें आप बिना किसी झंझट के सिर्फ 5 मिनट में बना सकती हैं।घर के मुख्य दरवाजे से ही सकारात्मक ऊर्जा और खुशियां अंदर आती हैं। मेन गेट पर आप सफेद और लाल रंग की मदद से एक सुंदर सा 'स्वास्तिक' बना सकती हैं। इसके चारों कोनों पर छोटे-छोटे दीये का डिजाइन बना दें। इसके साथ ही, मां लक्ष्मी के छोटे-छोटे चरण घर के अंदर की तरफ आते हुए बनाएं। यह डिजाइन देखने में बहुत ही शुभ लगता है और इसे उंगलियों की मदद से मिनटों में उकेरा जा सकता है।अगर आप रंगों वाले पाउडर से रंगोली बनाने में ज्यादा सहज नहीं हैं, तो गेंदे और गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल सबसे अच्छा रहेगा। अपने आंगन या हॉल के बीचों-बीच गेंदे के फूलों से एक बड़ा-सा गोल घेरा बनाएं और अंदर गुलाब की पंखुड़ियां भर दें। इसके बिल्कुल बीच में एक असली दीया जलाकर रख दें। यह फूलों वाली रंगोली न सिर्फ 5 मिनट में तैयार हो जाएगी,



बल्कि इसकी खुशबू से आपका पूरा घर भी महक उठेगा।पूजा घर हमारे घर की सबसे खास और पवित्र जगह होती है, इसलिए यहां की रंगोली बहुत ही साफ और सुंदर होनी चाहिए। मां लक्ष्मी को कमल का फूल बहुत प्रिय है। आप चॉक या सफेद रंगोली पाउडर की मदद से एक प्यारा-सा कमल का फूल बना सकती हैं। इसके पत्तों में थोड़ा सा गुलाबी और हरा रंग भर दें। अगर आप चाहें तो बीच में 'श्री' भी लिख सकती हैं। यह छोटा सा डिजाइन आपकी पूजा की जगह की रौनक को दोगुना कर देगा। घर के खाली कोनों के लिए 'रंगीन दीयों की रंगोली'अक्सर हम मुख्य दरवाजे या आंगन में तो रंगोली बना लेते हैं, लेकिन घर के कोने खाली रह जाते हैं। इन कोनों को सजाने के लिए आप रंगों से दीयों का एक बहुत ही आसान और प्यारा डिजाइन बना सकती हैं। इसके लिए बस एक चूड़ी की मदद से 3 या 4 गोल आकार बनाएं और उन्हें दीये का रूप दे दें। अब इनमें पीला, नारंगी और लाल जैसे चटक रंग भर दें। जब आप इस रंगोली के बिल्कुल पास असली मिट्टी के दीये जलाकर रखेंगी, तो आपके घर का साधारण-सा कोना भी जगमगा उठेगा। इसे बनाने में मुश्किल से 3 से 4 मिनट का समय लगता है। सुख-समृद्धि का प्रतीक 'शुभ कलश' डिजाइनधनतेरस और दीवाली की पूजा में कलश का बहुत ज्यादा महत्व होता है।





दिल्ली में यमुनापार वालों की बल्ले-बल्ले, अब विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने विकास कार्यों में तेजी लाने की तैयारी की है

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली यानी ट्रांस-यमुना क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने विकास कार्यों में तेजी लाने की तैयारी की है।

ट्रांस-यमुना एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (टीवाईएडीबी) को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से 1090 नए विकास कार्यों के प्रस्ताव मिले हैं। इनमें सड़क, पार्क, फुटपाथ, सार्वजनिक स्थान और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। बुधवार को बोर्ड की बैठक में इन प्रस्तावों की समीक्षा की गई।



बजट की जरूरतों पर चर्चा: दिल्ली सचिवालय में बोर्ड की 62वीं बैठक अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, यमुनापार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक और दिल्ली सरकार, नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी शामिल हुए। स्वीकृत योजनाओं की प्रगति, लंबित परियोजनाओं और बजट की जरूरतों पर चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि स्वीकृत विकास कार्यों के लिए पहली और दूसरी किस्त के रूप में अब तक 110.10 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। लंबित वित्तीय देनदारियों और अगली किस्त जारी करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

दूर करने के निर्देश दिए: लवली ने अधिकारियों को विकास कार्यों में देरी के कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थायी सार्वजनिक परिसंपत्तियां विकसित की जाएं, जिनका लोगों को लंबे समय तक लाभ मिले। सड़कों, पार्कों, फुट ओवरब्रिज और सार्वजनिक स्थानों की जरूरतों की सूची बनाकर प्राथमिकता से काम कराया जाएगा।

जवाबदेही के लिए विभागीय पोर्टल बनेगा: पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पोर्टल बनाया जाएगा। इस पर विभिन्न एजेंसियों के कार्यों की प्रगति की जानकारी मिलेगी। बोर्ड की बैठक हर तीन महीने में होगी। इसमें प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा कर काम में आ रही बाधाएं दूर करने के फैसले लिए जाएंगे। ट्रांस-यमुना क्षेत्र के सुनियोजित विकास और राजधानी के दूसरे हिस्सों से विकास संबंधी असमानता दूर करने के उद्देश्य से मार्च 1994 में बोर्ड का गठन किया गया था।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 700 के पार, 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ पर रोक



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद भयानक और बेकाबू हो गई है। विभिन्न क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक और रिकॉर्ड तोड़ स्तर तक पहुंच गया है, जिससे आम जनजीवन और स्वास्थ्य पर भारी संकट मंडरा रहा है। वहीं, आज गुरुवार 5 नवंबर को तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, एनसीआर में 5 नवंबर से 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े कार्यों पर पाबंदी लगा दी गई है। इस बीच दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 5 नवंबर से 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े कार्यों पर रोक रहेगी। इसका असर राजधानी में चल रही विकास परियोजनाओं पर पड़ सकता है। अस्पतालों से जुड़े निर्माण कार्यों को छूट दी गई है। यह रोक सभी तरह के विकास कार्यों पर नहीं, बल्कि धूल और प्रदूषण पैदा करने वाले निर्माण कार्यों पर लागू है। हालांकि, मेट्रो, रेलवे, हवाई अड्डे, अंतरराज्यीय बस अड्डे, जलापूर्ति, स्वच्छता और राष्ट्रीय महत्व की कुछ परियोजनाओं को भी निर्धारित छूट दी गई है।

दृश्यता पर भी पड़ रहा प्रभाव: गुरुवार को 5 नवंबर को दिल्ली में वायु प्रदूषण और सुबह के समय छाए स्मॉग की वजह से विजिबिलिटी (दृश्यता) काफी प्रभावित हुई। मौसम और प्रदूषण से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, इस दिन दिल्ली की विजिबिलिटी औसतन 3.5 से 4 किमी दर्ज की गई। वहीं, कुछ अत्यधिक प्रदूषित इलाकों और सुबह के समय स्मॉग की घनी चादर के कारण दृश्यता इससे भी कम हो गई थी।

गाजियाबाद में स्थिति डरावनी, एक्यूआई 700 के पार: दिल्ली के बाद अब एनसीआर के गाजियाबाद और नोएडा में हवा की गुणवत्ता सबसे अधिक खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है। गाजियाबाद में शहर का समग्र एक्यूआई 704 दर्ज किया गया है: प्रदूषण के इस गंभीर और खतरनाक स्तर के कारण लोगों को सांस लेने में भारी परेशानी, आंखों में जलन और गले में संक्रमण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल करार दिया है। नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, घरों में एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें तथा बाहर जाते समय अनिवार्य रूप से मास्क का उपयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

एक्ट्रेस कृति सेनन केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने बताया 'पर्सनालिटी राइट्स' का मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत अधिकार अपने आप में कोई स्वतंत्र कानूनी आधार नहीं हैं और किसी व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल करना मात्र गैरकानूनी नहीं है। अदालत ने उक्त टिप्पणी अभिनेत्री कृति सेनन की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए की। कृति सेनन ने उनके नाम, तस्वीर, हुलिए और आवाज के दुरुपयोग के खिलाफ अंतरिम राहत की मांग की थी। इसमें एआइ से बने डीपफेक, किसी और का रूप धरना और सिंथेटिक आवाज शामिल हैं। अदालत ने कहा कि व्यक्तिगत अधिकार किसी व्यक्ति की पहचान के व्यावसायिक मूल्य की रक्षा करता है और इसे लाइसेंस पर दिया जा सकता है। इसके विपरीत, निजता, गरिमा और प्रतिष्ठा व्यक्तिगत हित हैं, जिन्हें किसी और को नहीं सौंपा जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि ये अधिकार हर व्यक्ति को प्राप्त हैं। पहचान का व्यावसायिक मूल्य और उसके दुरुपयोग से हुआ नुकसान तय करने में प्रसिद्धि एक कारक हो सकती है, लेकिन अधिकार पाने की शर्त नहीं। साथ ही, पहचान का इस्तेमाल अपने आप में गैरकानूनी नहीं है।

अंबेडकर विश्वविद्यालय और सीचीआरजी के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने सार्वजनिक नीति अनुसंधान और सुशासन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। चार नवंबर को हुए इस समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से नीति अनुसंधान, प्रभाव आकलन, कार्यक्रम मूल्यांकन और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में काम करेंगे। समझौते का उद्देश्य अकादमिक अनुसंधान को नीतिगत प्रक्रियाओं और सामाजिक सरोकारों से जोड़ना है। इसके तहत कार्यकारी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और शोध आधारित प्रकाशनों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सार्वजनिक प्रणालियों में नवाचार जैसे उभरते विषयों पर भी संयुक्त शोध किया जाएगा।

ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस, बेड के अंदर अवैध पटाखों का जखीरा देख हैरान

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में शाहदरा के एक रेस्त्रां का दिहाड़ी कर्मचारी वॉट्सएप के

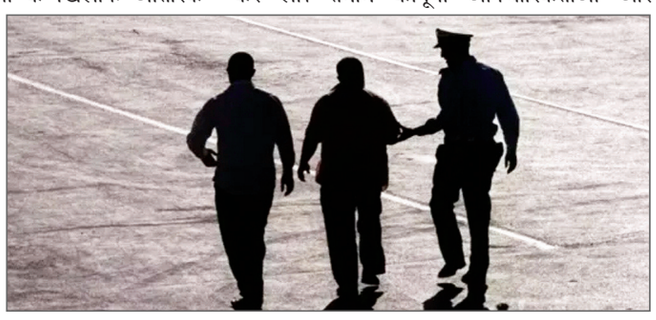


जरिए अवैध रूप से पटाखे बेच रहा था। बकायदा उसने अपने घर के बेड में अवैध पटाखों का भंडारण किया हुआ था, ताकि कोई पकड़ नहीं सके। ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस ने पटाखे देखते ही दिहाड़ी कर्मचारी से कहा, अब तो जेल जाना पड़ेगा, हम ग्राहक नहीं सादे कपड़ों में पुलिस हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हर्षित मित्तल के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से भंडारण किए गए 311 किलो अवैध पटाखे बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को सूचना मिली थी बलबीर नगर में चोरी छिपे पटाखे बेचे जा रहे हैं। एएनटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह के नेतृत्व में एसआई शोकिंदर, हेड कॉन्स्टेबल पंकज, योगेश, सत्यवती, कॉन्स्टेबल अर्जुन सिंह, शाहिद और शिवानी की टीम बनाई। टीम ने घर के बाहर जाल बिछाया। आरोपी पटाखे बेचने वाला था, तभी पुलिस ने घर पर छापामारी की।

इंटरपोल की मदद से विदेश से भारत लाया गया दुष्कर्म का आरोपी, दिल्ली पुलिस ने दुबई से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग संस्था इंटरपोल की मदद से दुष्कर्म के एक फरार आरोपी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से गिरफ्तार कर भारत वापस लाने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह पूरा ऑपरेशन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से पूरा किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 38 वर्षीय सजीर पल्ली मूप्पन उर्फ सजीर पीएम के रूप में हुई है, जो केरल के कन्नूर का निवासी है। आरोपी एक कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। शिकायत के मुताबिक, दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित एक लाउंज में जन्मदिन की पार्टी का आयोजन किया गया था। आरोप है कि पार्टी के दौरान आरोपी ने पीड़िता को शराब और नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद वह पीड़िता को करोल बाग के एक होटल में ले गया, जहां उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद कंपनी में 'पॉश' के तहत आरोपी के खिलाफ आंतरिक जांच शुरू की गई थी। जांच प्रक्रिया आगे बढ़ते देख आरोपी इसी वर्ष 5 जनवरी को भारत से फरार हो गया। दुबई पहुंचकर उसने वहां एक प्लंबिंग एक्सेसरीज की दुकान पर काम करना शुरू कर दिया था।



दिल्ली पुलिस और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई मामले में 18 फरवरी को पीड़िता ने दिल्ली पुलिस के पास पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने लगातार प्रयास किए और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आरोपी की लोकेशन संयुक्त अरब अमीरात में ट्रैक कर ली। तमाम कानूनी औपचारिकताओं और कागजी कार्रवाई को पूरा करने के बाद, 4 नवंबर बुधवार को यूएई के अधिकारियों ने आरोपी सजीर पीएम को औपचारिक रूप से दिल्ली पुलिस की टीम के हवाले कर दिया। अब दिल्ली पुलिस आरोपी पर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली के लक्ष्मी नगर में धू-धू कर जला ऑफिस, लाखों का सामान स्वाहा; मची अफरा-तफरी

नईदिल्ली, एजेंसी। लक्ष्मी नगर स्थित मंगल बाजार रोड पर स्थित एक कार्यालय में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। आग पहली मंजिल पर स्थित करीब 60 वर्ग गज के कार्यालय में लगी, जिसने देखते ही देखते पूरे ऑफिस को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से कार्यालय में लगा बिजली का मीटर, एसी, फर्नीचर और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जलकर राख हो गए। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। गनीमत रही कि आग लगने के समय कार्यालय में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।



छात्रा को भेजे गंदे मैसेज और जबरन फेल करने की दी धमकी, डीयू के दौलत राम कॉलेज में प्रोफेसर पर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में एक प्रोफेसर पर छात्रा के यौन उत्पीड़न और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। छात्रा की शिकायत मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने संबंधित प्रोफेसर को छुट्टी पर भेज दिया है। वहीं, मामले की जांच कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को सौंप दी गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। शिकायतकर्ता छात्रा की ओर से पक्ष रखते हुए एक अन्य छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर ने पीड़िता को कई अश्लील और आपत्तिजनक यौन संदेश भेजे थे। इसके अलावा उसके साथ जबरदस्ती करने और छेड़छाड़ का प्रयास किया गया।

छात्रा को परीक्षा में फेल करने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। छात्रा के अनुसार, घटना 27 अक्टूबर को हुई थी, जबकि इस संबंध में 29 अक्टूबर को लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी।

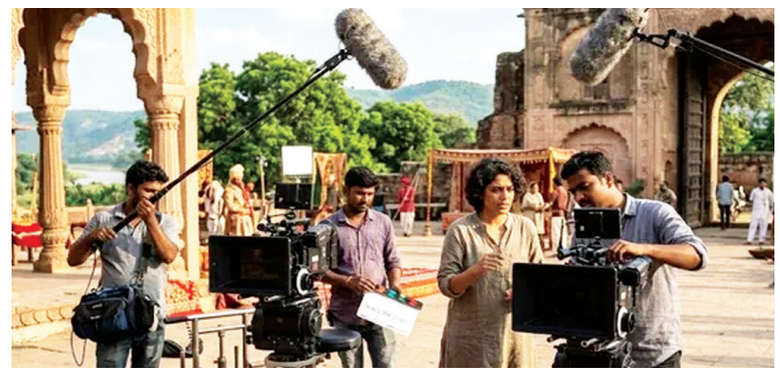
प्रोफेसर के खिलाफ बर्खास्तगी समेत सख्त कार्रवाई की मांग विश्वविद्यालय अधिकारियों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद उसे कॉलेज की आइसीसी के पास भेज दिया गया है। समिति मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दौलत राम कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष ने मामले में पीड़िता के साथ मजबूती से खड़े होने की बात कही है। उन्होंने आईसीसी से निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की। छात्रसंघ ने कहा कि यदि आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ बर्खास्तगी समेत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। छात्रसंघ अध्यक्ष ने कहा न्याय मिलने में देरी होने पर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) समेत संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिसर में छात्राओं की सुरक्षा और गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

फरवरी में 21 और मार्च में 28 आवेदन मिले

शूटिंग से बच रहे फिल्म निर्माता, आरटीआई में सामने आया प्रदूषण का असर; नहीं आ रहे शूटिंग के आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण का असर अब फिल्म शूटिंग पर भी दिखाई देने लगा है। सर्दियों में खराब हवा और धुंध के कारण फिल्म निर्माता राजधानी में शूटिंग करने से बचते हैं। इसका प्रमाण दिल्ली सरकार के सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मिले आंकड़ों से भी मिलता है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में फिल्म शूटिंग के लिए मिले कुल 209 आवेदनों में से 118 आवेदन जनवरी से मार्च के बीच आए। यानी करीब 56.5 प्रतिशत फिल्मकारों ने इसी अवधि में दिल्ली में शूटिंग की अनुमति मांगी। इसके विपरीत प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील अक्टूबर से दिसंबर के दौरान आवेदन काफी कम रहे। दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024-25 में फिल्म शूटिंग के लिए 108 और वर्ष 2025-26 में 101 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें वर्ष 2025 के जनवरी में 24 और फरवरी में सर्वाधिक 29 आवेदन आए, जबकि मार्च में नौ आवेदन मिले। वहीं, वर्ष 2026 में जनवरी में सात, फरवरी में 21 और मार्च में 28 आवेदन प्राप्त हुए।

दो साल से किसी फिल्म निर्माता ने नहीं मांगी आर्थिक सहायता: फिल्म नीति के तहत वर्ष 2024-25 में 41 और 2025-26 में 56 आवेदनों को मंजूरी दी गई। बाकी आवेदन वापस ले लिए गए या शूटिंग की तारीख और स्थान में बदलाव से संबंधित थे। आरटीआई के जवाब के समय कोई आवेदन मंजूरी के लिए लंबित नहीं था। वहीं, फिल्म नीति के तहत आर्थिक सहायता का लाभ अब तक केवल '12वीं फेल' फिल्म को मिला है। इसके निर्माताओं को 30 लाख आठ हजार 464 रुपये की सब्सिडी दी गई। दो वर्षों में किसी अन्य फिल्म ने आर्थिक सहायता के लिए आवेदन नहीं किया। निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। इसके तहत वर्ष 2025 तक करीब 39 फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग हो चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, राजधानी में बनने वाली करीब 95 प्रतिशत फिल्मों की शूटिंग चांदनी चौक और कनॉट प्लेस जैसे इलाकों में होती है।



कैट द्वारा राहुल गांधी से पूछे गए पांच गंभीर सवाल

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ाएंगे दिल्ली के व्यापारी, पत्र लिखकर दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर के मुद्दे पर राजनीतिक बढ़त लेने की सोच रही कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें अब व्यापारी वर्ग बढ़ाने वाला है। त्योहारी सीजन के बीच राजनीतिक प्रदर्शनों और रैलियों के कारण दिल्ली के व्यापारिक ढांचे पर पड़े गंभीर असर से व्यापारी वर्ग में आक्रोश की लहर फैल गई है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एक कड़ा पत्र भेजकर दिल्ली की आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के लिए उन्हें राजनीतिक और नैतिक रूप से जवाबदेह ठहराया है।

कैट ने चेतावनी दी है कि दीपावली के तुरंत बाद देश भर के व्यापारी नेता नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित कर रणनीति तय करेंगे और जल्द ही देश भर में 'धिक्कार दिवस' मनाने की तिथि की घोषणा करेंगे। 'प्रदर्शन का अधिकार आजीविका छीनने का लाइसेंस नहीं' कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी



भरतिया ने राहुल गांधी के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक नवंबर को कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा आयोजित रैली और पिछले एक महीने से चल रहे विभिन्न धरना-प्रदर्शनों से दिल्ली के ऐतिहासिक बाजारों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भरतिया ने हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी एक ओर जनता से स्थानीय बाजारों से खरीदारी की अपील करते हैं और दूसरी ओर ऐसे प्रदर्शनों का समर्थन करते हैं जिनसे ग्राहक उन बाजारों तक पहुंच ही न पाएं। यह दोहरा रवैया छोटे व्यापारियों, पटरी वालों और कामगारों की आजीविका पर सीधा हमला है। संवैधानिक प्रविधानों पर जोर देते हुए कैट ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की आजादी देता है, तो अनुच्छेद 19(1)(जी) हर नागरिक को व्यापार और आजीविका कमाने का मौलिक अधिकार भी प्रदान करता है। किसी भी राजनीतिक दल को अपने शक्ति प्रदर्शन के लिए दूसरों की रोजी-रोटी को बलि चढ़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। क्या राजनीतिक प्रदर्शन करने का अधिकार आम नागरिक के व्यापार करने और आजीविका कमाने के अधिकार से बड़ा है? राष्ट्रीय राजधानी के व्यापार को बंधक बनाना किस हद तक उचित है, और प्रभावित व्यापारियों के आर्थिक नुकसान की भरपाई कौन करेगा? जब आप खुद स्थानीय बाजारों से खरीदारी की अपील करते हैं, तो उन्हीं बाजारों का रास्ता रोकने वाले प्रदर्शनों का समर्थन कैसे कर सकते हैं? क्या कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दल उन प्रदर्शनों से हुए आर्थिक नुकसान की सीधी जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे? यदि ऐसे लंबे प्रदर्शनों से स्वयं राहुल गांधी के व्यापार या दैनिक आजीविका पर असर पड़ता, तो क्या वे इसे स्वीकार करते? कैट ने चेतावनी दी है कि दिल्ली देश का प्रमुख व्यापारिक और वित्तीय केंद्र है। यदि राजधानी में व्यापार को इस तरह निशाना बनाया जाएगा तो यह पूरे देश के लिए एक खतरनाक परंपरा बन जाएगी। कैट ने उपराज्यपाल को भी पत्र लिखकर दिल्ली में प्रदर्शनों के लिए शहर के बाहरी इलाकों में अलग स्थान निर्धारित करने की मांग की है। व्यापारी संगठन ने साफ किया है कि वे राहुल गांधी के जवाब का इंतजार करेंगे।

ब्राह्मण महिलाओं पर टिप्पणी को लेकर बढ़ सकती है नेहा बोरा की मुश्किल, पुलिस में दर्ज हुई शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राह्मण महिलाओं और मंदिरों के पुजारियों को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने बुधवार को उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नेहा के बयान से विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य और तनाव फैल सकता है। अमिता सचदेवा ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 के तहत पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह लेकर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। यदि पुलिस कुछ दिनों में कार्रवाई नहीं करती है, तो वह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क करेंगी। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख करेंगी। यह विवाद दो नवंबर को सामने आए नेहा बोरा के एक पुराने वीडियो से शुरू हुआ। इसमें उन्होंने ब्राह्मण महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि मंदिरों के भीतर पुजारियों द्वारा दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। उन्होंने उन्नाव और कठुआ की घटनाओं का भी जिक्र किया था। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर इसे साझा करते हुए नेहा और कांग्रेस की आलोचना की। वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि समाज में जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव की घटनाएं अब भी होती हैं, लेकिन नेताओं को ऐसे उदाहरण सामने रखने चाहिए जो समाज को जोड़ें, न कि बांटें।



संविधान की रक्षा करना हमारा धर्म, उसे नष्ट करने वालों को करेंगे बेनकाब : अश्विनी वैष्णव

जयपुर , एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान रेल मंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि संविधान की रक्षा करना हमारा धर्म है। संविधान की हत्या करने वालों को बेनकाब करेंगे। इसके अलावा अन्य मुद्दों पर अश्विनी वैष्णव ने प्रतिक्रियाएं दी।

भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'भाजपा और एनडीए हमेशा से संविधान में विश्वास रखती है। इसके विपरीत कांग्रेस पार्टी एक तरह से संविधान की हत्या करने, लोकतंत्र को नष्ट करने और अराजकता फैलाने में लगी हुई है। जो लोग संविधान की किताब को दिखाते हैं, उन्हें न तो इसमें लिखी बातों पर कोई विश्वास है और न ही वे इसके सिद्धांतों को बनाए रखने में यकीन रखते हैं। आज हम जनता के सामने यह कहने आए हैं कि संविधान की रक्षा करना और लोकतंत्र को बचाना हमारा कर्तव्य है। हमारा मकसद उन लोगों को बेनकाब करना है जो अराजकता फैलाते हैं और हमारे लोकतंत्र तथा संविधान, दोनों को नष्ट करना चाहते हैं।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दी गई खुली बहस की चुनौती पर उन्होंने कहा, 'संसद, हमारे लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। वहां आइए और हम बहस करते हैं। हम ऐसे लोग नहीं हैं जो



किसी भी विषय पर बहस करने से पीछे हटें। '

अग्निवीर सेवा अवधि को दो साल बढ़ाने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'अग्निवीर योजना की शुरुआत से ही प्रधानमंत्री, सरकार, रक्षा मंत्री और रक्षा बलों के सभी अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि यह एक नया प्रयोग है। यह तय था कि मिले अनुभवों के आधार पर इस योजना का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा। पिछले 4 वर्षों में अनुभव बहुत अच्छे रहे हैं और 'अग्निवीर' पहल एक बेहद सफल योजना साबित हुई है। इसने हमारे युवाओं के समर्पण, शारीरिक फिटनेस और तकनीकी चुनौतियों को अपनाने की उनकी क्षमता को स्पष्ट रूप से दिखाया है। रक्षा बलों द्वारा व्यापक समीक्षा के बाद सरकार ने एक बहुत ही सकारात्मक फैसला किया है और हम इसी के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। '

श्री गंगानगर में रेलवे ट्रैक के पास हुए संदिग्ध विस्फोट पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'कल हुए विस्फोट की जांच राज्य सरकार के साथ मिलकर की जा रही है। मैंने डीजीपी, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से बात की है। रेलवे और राज्य के अधिकारी मिलकर इस घटना की जांच कर रहे हैं। प्राथमिक साक्ष्य जुटाए जाने के बाद राज्य पुलिस यह तय करेगी कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को शामिल किया जाए या नहीं। विस्फोट की साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुर्गा पूजा पास मामले में मासआर्ट के सचिव ध्रुवज्योति बोस गिरफ्तार यूनेस्को के नाम पर प्रीव्यू शो पास बेचकर कमाए करोड़ों रूपये

कोलकाता, एजेंसी। दुर्गा पूजा प्रीव्यू शो के नाम पर कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कोलकाता पुलिस की जांच तेज हो गई है। पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन की गिरफ्तारी के बाद अब इस मामले में एफआईआर में नामजद मासआर्ट के सचिव ध्रुवज्योति बोस उर्फ शुभो को भी गिरफ्तार किया गया है। बुधवार शाम करीब 7:15 बजे पुलिस ने उसे तिरहट्टी बाजार इलाके से पकड़ा। पुलिस अब उससे पूछताछ कर इस पूरे मामले में उसकी भूमिका और कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ी जानकारी जुटाएगी। गौरतलब है कि, दुर्गा पूजा को यूनेस्को से मिली अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता के बाद शुरू हुए कथित पास बिक्री के कारोबार से मासआर्ट संस्था ने वर्ष 2022 से 2025 के बीच प्रीव्यू शो और विशेष प्रवेश पास बेचने की व्यवस्था की थी। आरोप है कि इसके जरिए लोगों से मोटी रकम वसूली गई। आरोप है कि कोलकाता के 24 चुनिंदा पूजा पंडालों में विशेष प्रवेश दिलाने के नाम पर आम लोगों को पास बेचे गए और यूनेस्को के नाम का इस्तेमाल किया गया। इस मामले में जून 2026 में बहुबाजार थाने में शिकायत के आधार पर एफआइआर दर्ज की गई थी। इसमें इंद्रनील सेन, उनकी पत्नी मधुच्छंदा सेन और



मासआर्ट से जुड़े पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। 28 अक्टूबर को ईडी कार्यालय में पूछताछ के बाद कोलकाता पुलिस ने इंद्रनील सेन को गिरफ्तार किया था। उन्हें बैंकशाल अदालत में पेश करने के बाद पुलिस हिरासत में भेजा गया। फिलहाल अदालत ने उन्हें 10 नवंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का निर्देश दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस मामले में करीब 20 बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये के लेनदेन की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन खातों, संबंधित कंपनियों और परिवार के सदस्यों से जुड़े वित्तीय लेनदेन की कड़ियां जोड़ रही है। जांच में यूनेस्को के साथ कथित समझौते का पहलू भी अहम हो गया है। कोलकाता पुलिस ने इस संबंध में यूनेस्को से जानकारी मांगी थी। पुलिस के मुताबिक, यूनेस्को ने राज्य के सूचना एवं संस्कृति विभाग के साथ आधिकारिक संवाद होने की बात स्वीकार की है, लेकिन किसी संस्था या विभाग के साथ व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए समझौता होने से इनकार किया है। वहीं, पुलिस प्रीव्यू शो के लिए पास बिक्री, टेंडर प्रक्रिया और संबंधित कंपनियों को मिले भुगतान की भी जांच कर रही

संक्षिप्त समाचार

दिवाली पर घर आए प्रवासियों को खिलाई जाएगी फाइलेरिया की दवा

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए गुरुवार से 15 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान अब तक कभी फाइलेरिया रोधी दवा नहीं खाने वाले (नेवर टेकन), दवा सेवन से इनकार करने वाले और दीपावली पर घर लौटे प्रवासी लोगों को भी दवा खिलाई जाएगी। स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर अपनी निगरानी में लोगों को दवा का सेवन कराएंगे। इसके बाद 19 नवंबर से सात दिसंबर तक 16 जिलों के 53 ब्लाक में सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। राज्य फाइलेरिया अधिकारी डा. एके चौधरी ने बताया कि प्रदेश में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतिम दौर में है। ऐसे में अब तक दवा नहीं खाने और दवा सेवन से इनकार करने वाले लोगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के लिए शिक्षा, पंचायती राज और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को भी प्रशिक्षित किया गया है। इस बार प्रत्येक ब्लाक में 90 प्रतिशत से अधिक पात्र लोगों को स्वास्थ्य कर्मियों के सामने दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए दवा सेवन से छूटे लोगों का फालोअप करने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। प्रदेश के कानपुर नगर, उन्नाव, कानपुर देहात, चित्रकूट, सीतापुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, प्रयागराज, गोंडा, हरदोई, कन्नौज, बलिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर और कौशांबी में यह अभियान चलेगा।

डीए एरियर मामले में आपराधिक अवमानना कार्रवाई के खिलाफ याचिका मंजूर

चंडीगढ़, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को एक नई याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। इस याचिका में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें पंजाब के मुख्य सचिव के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया गया था। यह मामला कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के बकाये के भुगतान से जुड़ा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने पंजाब सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह की दलीलों पर ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव को लगभग नियमित रूप से हाई कोर्ट में पेश होना पड़ रहा है। सिंह ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार को पिछली सरकार से लगभग 13,000 करोड़ रुपये के पुराने बकाया (एरियर) मिले हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका को गुरुवार को एक दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा, जो इसी तरह की एक अन्य याचिका पर सुनवाई कर रही है।

नोएडा एलिवेटेड रोड मरम्मत में देरी पर उठे सवाल, लोगों ने जताई नाराजगी

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-60 से सेक्टर-18 के बीच एलिवेटेड रोड की एक साइड बंद होने और करीब दो सप्ताह बाद भी मरम्मत कार्य शुरू नहीं होने पर कन्फेडरेशन आफ एनसीआर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने नाराजगी जताई है। संस्था ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर जल्द मरम्मत कराने और देरी के कारणों की जांच कराने की मांग की है। अध्यक्ष डॉ पीएस जैन और महासचिव राजीव गर्ग ने पत्र में बताया कि इस्कॉन मंदिर कट से पहले सड़क पर बने गड्ढे की मरम्मत के लिए एक साइड 10 दिनों तक बंद रखने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद करीब दो सप्ताह बीतने पर भी काम शुरू नहीं हुआ है। संस्था ने क्षतिग्रस्त सड़क के नमूनों की तकनीकी जांच कराने, निर्माण में लापरवाही मिलने पर संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा मरम्मत जल्द पूरी कर सड़क खोलने की मांग की है।

गंगनानी में इनोवा कार नदी में गिरी

उत्तरकाशी , एजेंसी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी धर्मकुंड के समीप गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में इनोवा कार सीधे नदी में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन में सात लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद नदी किनारे से चार लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि अन्य संभावित यात्रियों की तलाश के लिए नदी के तेज बहाव में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और आपातकालीन सेवाएं तत्काल सक्रिय हो गईं। जानकारी के अनुसार, गंगनानी धर्मकुंड से लगभग 20 मीटर आगे डबरानी की ओर इनोवा कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। घटना की सूचना डेल्टा के माध्यम से प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और 108 आपातकालीन सेवा की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हुईं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों पर राहत व बचाव अभियान तत्काल शुरू कर दिया गया। नदी किनारे चार लोगों के शव मिलने के बाद मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। वहीं वाहन में सवार अन्य लोगों की तलाश में जल पुलिस और गोताखोरों को लगाया गया है। नदी का तेज बहाव बचाव अभियान में चुनौती बना हुआ है। रेस्क्यू टीमें लगातार नदी में संभावित स्थानों पर खोजबीन कर रही हैं। हादसे में घायल व्यक्ति को मनेरी पुलिस की सहायता से सड़क तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उसे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन केंद्र और चिकित्सा दल को हाई अलर्ट पर रखा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य पूरे घटनाक्रम की लगातार निगरानी कर रहे हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने और प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन दुर्घटना में प्रभावित लोगों के परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। हादसे के



कारणों की जांच भी की जा रही है। गंगनानी के समीप हुए इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर पहाड़ी मार्गों पर यात्रा के दौरान सुरक्षा और सतर्कता की गंभीरता को उजागर किया है। फिलहाल नदी में गिरे वाहन में सवार अन्य लोगों की तलाश जारी है।

देहरादून में फिर हादसा: पराली के ट्रक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हुआ कंटेनर, सड़क पर पलटा

देहरादून, एजेंसी। शिमला बाईपास रोड पर गुरुवार सुबह गणेशपुर के पास पराली से लदे ट्रक को बचाने के प्रयास में एक कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास से गुजर रहे अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, सुबह के समय शिमला बाईपास रोड पर वाहनों की आवाजाही जारी थी। इसी दौरान गणेशपुर के पास पराली से लदा एक ट्रक सड़क से गुजर रहा था। बताया जा रहा है कि ट्रक को बचाने के प्रयास में पीछे चल रहा कंटेनर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते कंटेनर सड़क पर पलट गया। अचानक हुए हादसे के कारण मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर कंटेनर पलटने से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।



हिमाचल में रात को पड़ रही कड़ाके की ठंड, 3 जगह शून्य से नीचे पहुंचा तापमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शुष्क मौसम के बीच रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे विशेष रूप से जनजातीय और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठिठुरन बढ़ गई है। लाहुल-स्पीति का कुकुमसेरी बुधवार को प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे माइनस 2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, ताबो में न्यूनतम तापमान 0.2 और जिला मुख्यालय केलंग में 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है, हालांकि यह अभी भी सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक बना हुआ है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन के समय चटक



धूप खिलने से मौसम सुहावना बना हुआ है। राजधानी शिमला, पर्यटन नगरी मनाली समेत मैदानी और निचले इलाकों में दिन के समय धूप के कारण हल्की तपिश महसूस की जा रही है। हालांकि, सूरज ढलते ही तापमान तेजी से लुढ़क रहा है, जिससे सुबह और रात के समय ठंड का असर साफ दिखाई देने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 11 नवंबर तक राज्यभर में मौसम पूरी तरह साफ और शुष्क बना रहेगा। इस दौरान बारिश या बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है।

बढ़ते तलाक के आंकड़े और सरकारी सोच

अनूठी पहल: अटूट रहे शादी का बंधन, गोवा कॉलेज सिखाएगा गुर; दो दिसंबर से शुरू होगा 15 दिन का कोर्स

पणजी, एजेंसी। भारत में विवाह को सात जन्मों का साथ माना जाता है। यहां सामाजिक ताना-बाना इतना मजबूत है कि संबंध-विच्छेद की दर दुनिया में सबसे कम है। किसी को भी हैरत हो सकती है कि तलाक का हिंदी में कोई शब्द ही नहीं है। पहली बार विवाह-विच्छेद का प्रविधान हिंदू कोड बिल में किया गया। इन सबके बावजूद बढ़ते आधुनिकतावाद से दांपत्य जीवन में अलगाव के मामले चिंता का सबब बन रहे हैं। साल-दर-साल विवाह-विच्छेद की दर बढ़ रही है। इसी सामाजिक विसंगति पर अंकुश लगाने को गोवा के एक कालेज ने युवाओं को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाने की अनूठी पहल की है।

पणजी स्थित गोवा कॉलेज ऑफ होम साइंस के मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग ने 'मैरिज रेडिनेसः प्रिपेयरिंग फार हेल्दी एंड लास्टिंग रिलेशनशिप्स' नामक विशेष सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। कॉलेज के प्रिंसिपल महेश पाई के अनुसार, यह 15 दिनी कोर्स दो से 17 दिसंबर, 2026 के बीच आयोजित किया जाएगा। यह कोर्स केवल शादी की रस्मों और समारोह की तैयारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दो दिलों के बीच आपसी समझ, अटूट प्रतिबद्धता और वैवाहिक



जीवन की वास्तविक जिम्मेदारियों को गहराई से समझने पर केंद्रित है। यह अहम कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब समाज में रिश्तों की डोर कमजोर पड़ रही है। तलाक के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखने को मिल रही है। गोवा के विधि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022 से 2025 के बीच राज्य की अदालतों में तीन हजार से अधिक विवाह व तलाक से जुड़े मामले दर्ज किए गए, जिनमें अकेले साल 2024 में 947 मामले शामिल थे। हाल ही में पणजी में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी राज्य में बढ़ते तलाक के मामलों पर अंकुश लगाने की 'प्री-मैरिज काउंसलिंग' शुरू करने की मंशा जताई थी। कॉलेज के ब्रोशर के अनुसार, इस कोर्स के सत्रों में युवाओं को कई महत्वपूर्ण और जीवन को दिशा देने वाले विषयों पर मार्गदर्शन मिलेगा। इन सत्रों में 'डेटिंग के उद्देश्य और गतिशीलता', 'आत्म-जागृति और अपनेपन की जरूरत', 'रिश्तों पर पुरुषत्व और स्त्रीत्व का प्रभाव', तथा 'शादी (समारोह) और वैवाहिक जीवन के बीच का मूल अंतर' जैसे विषयों पर गहराई से चर्चा होगी। यह कोर्स स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के साथ-साथ उन सभी अविवाहित युवाओं के लिए खुला है जो भविष्य में एक स्वस्थ, मजबूत और खुशहाल रिश्ते की नींव रखना चाहते हैं।

ज्यादा खून बह जाने की वजह से हुई मौत

10 रुपये बनी कंडक्टर की मौत की वजह, चलती बस से महिला ने दिया था धक्का

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की कंडक्टर गुंडला प्रवलिका की बुधवार को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। 10 दिन पहले, एक महिला यात्री ने उन्हें चलती बस से धक्का दे दिया था। भद्राद्री-कोठागुडेम जिले के असवापुरम मंडल में मिट्टागुडेम सेंटर के पास हुई इस घटना में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। प्रवलिका की मौत के बाद, असवापुरम पुलिस ने आरोपी बी. मौनिका के खिलाफ दर्ज मामले बदल दिया है। पहले ये 'हत्या के प्रयास' में दर्ज किया गया था बाद में उसे बदलकर 'हत्या' में तब्दील कर दिया गया है।

असवापुरम पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर सीएच यल्लैया ने अंग्रेजी सामाचार वेबसाइट को बताया कि आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था और वह अभी भी न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने बताया कि कंडक्टर को बेहतर इलाज देकर बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन ज्यादा खून बह जाने की





वजह से उनकी मौत हो गई। पीड़िता अभी अविवाहित थीं।

यह घटना 25 अक्टूबर को हुई थी, जब प्रवलिका अपनी ड्यूटी पर थीं और ड्राइवर के. जंपैया के साथ मनुगुरु और भद्राचलम के बीच बस लेकर जा रही थीं। पुलिस के अनुसार, 10 रुपये को लेकर एक महिला ने झगड़ा शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि बस के किराए के खुले पैसों को लेकर प्रवलिका और मौनिका के बीच तीखी बहस हो गई।

इस बहस के दौरान, मौनिका ने कंडक्टर को कथित तौर पर चलती बस से बाहर धकेल दिया। इससे उसका दाहिना पैर बस के पिछले पहियों के नीचे आ गया। हादसे के बाद 24 वर्षीय कंडक्टर को तुरंत एक पास के ही अस्पताल ले भर्ती कराया गया। इसके बाद में, बेहतर इलाज के लिए उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रवलिका की मौत पर दुख जताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया साइट एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने उनके परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति जताई है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार प्रवलिका के परिवार के साथ खड़ी रहेगी और उन्हें हर संभव मदद देगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, राज्य सरकार ने प्रवलिका की मां को नौकरी, परिवार के लिए 'इंदिरम्मा आवास योजना' के तहत एक घर और 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (एक्स-ग्रेशिया) देने की घोषणा की। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि परिवार को 1 करोड़ रुपये का बीमा कवर भी दिया जाएगा।

बंगाल के पूर्व मंत्री की कंपनियों को पांच साल में मिले 150 टेंडर, करोड़ों के लेनदेन की जांच

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के पूर्व पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दुर्गापूजा पास बिक्री में घोटाले की जांच के बाद अब पर्यटन विभाग के ठेकों में वित्तीय अनियमितताओं की भी पड़ताल शुरू हो गई है। पुलिस मुख्यालय लालबाजार की विशेष जांच टीम (एसआईटी) को प्राथमिक जांच में पिछले पांच वर्षों के दौरान जारी करीब 150 टेंडरों का पता चला है। पुलिस का दावा है कि इन सभी टेंडरों के काम इंद्रनील सेन से जुड़ी तीन कंपनियों को मिले। जांच टीम अब टेंडर आवंटन, सरकारी भुगतान और कंपनियों के बैंक खातों के लेनदेन की कड़ियां जोड़ रही है। जांच के दायरे में दीघा स्थित जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद वितरण, रेड रोड कार्निवल, सड़कों की सजावट, बैनर लगाने, विभिन्न स्थानों पर मिठाई वितरण और अभिनेता अमिताभ बच्चन के जन्मतिथि समारोह के आयोजन जैसे काम शामिल हैं। एसआईटी के मुताबिक, इन कार्यों के लिए पर्यटन विभाग की ओर से अलग-अलग समय पर टेंडर जारी किए गए, लेकिन बार-बार तीन कंपनियों को ही ठेके मिले। जांचकर्ताओं का दावा है कि इन कंपनियों के संचालकों का इंद्रनील से करीबी संबंध था और कंपनियों पर उनका नियंत्रण था। पुलिस के अनुसार, इंद्रनील से जुड़ी कंपनियों से उनकी पत्नी और बेटी के बैंक खातों में करोड़ों रुपये भेजे गए। इन खातों में पहुंची रकम बाद में फिर कंपनियों में स्थानांतरित कर दी गई। एसआईटी इस पूरे लेनदेन का हिसाब जुटा रही है। इस सिलसिले में



संक्षिप्त समाचार

भरोसेमंद सप्लाई चेन और कनेक्टिविटी कॉरिडोर बढ़ाने पर जोर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कॉमनवेल्थ देशों के साझेदारों से आग्रह किया कि वे छोटे और भरोसेमंद रास्तों के जरिए सप्लाई चेन को जोखिम से बचाएं और उसमें विविधता लाएं। उन्होंने कहा कि ज्यादा कनेक्टिविटी कॉरिडोर कारोबार के लिए फायदेमंद हैं। विदेश मंत्री ने ये बातें कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग (सीएचओजीएम) 2026 के दौरान कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट और बिजनेस लीडर्स ब्रेकफास्ट मीटिंग में कहीं। एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कॉमनवेल्थ साझेदारों को भी जोखिम कम करने और विविधता लाने की जरूरत है। इसके लिए छोटी और भरोसेमंद सप्लाई चेन की जरूरत है। ज्यादा कनेक्टिविटी कॉरिडोर कारोबार के लिए अच्छे हैं। कॉमनवेल्थ साझेदारों को स्थानीय वितरण को बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए।' उन्होंने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया, क्योंकि इससे साझेदारों को ज्यादा विकल्प मिलते हैं। दुनियाभर में फैले भारतीय कारोबारी समुदाय का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने इसे कॉमनवेल्थ के लिए एक संपत्ति बताया। उन्होंने कहा, 'डिजिटल एक गेम चेंजर है, क्योंकि यह दक्षता, सुशासन और विकास को बढ़ावा देता है।' एस. जयशंकर ने यह भी कहा कि जलवायु कार्रवाई के लिए इंटरनेशनल सोलर अलायंस और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हमारे फर्स्ट रिस्पॉन्डर अनुभव और एचएआरडी गतिविधियां स्थानीय हब की जरूरत को दर्शाती हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि कौशल की गतिशीलता कॉमनवेल्थ का एक महत्वपूर्ण फोकस हो सकती है। अंदर का भरोसा विकास और समृद्धि के लिए कारोबार बना सकता है। इससे पहले बुधवार को जयशंकर ने कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट एग्जीक्यूटिव सेशन को संबोधित किया था। उन्होंने सुशासन और वित्तीय जिम्मेदारी के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने भारत के हाल के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और इस संबंध में चल रही अन्य वार्ताओं के बारे में भी बात की थी।

हार के बाद ट्रंप की विदेश नीति पर संकट; ईरान, इस्राइल और यूक्रेन पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को लगे झटके का असर अब देश की सीमाओं से बाहर भी दिखाई दे सकता है। ईरान, इस्राइल और यूक्रेन जैसे देश अमेरिकी चुनाव के नतीजों पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। इसकी वजह है ट्रंप की विदेश नीति, जिसने पिछले करीब दो वर्षों में अमेरिका के पुराने कूटनीतिक समीकरणों को काफी हद तक बदल दिया है। चुनावी नतीजों के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी को ट्रंप की नीतियों को चुनौती देने के लिए नए राजनीतिक अवसर मिलेंगे। हालांकि, राष्ट्रपति के पास विदेश नीति से जुड़े फैसले लेने की पर्याप्त शक्तियां अब भी मौजूद हैं। ऐसे में ईरान के साथ संभावित समझौते, इस्राइल को अमेरिकी सैन्य समर्थन और रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर इसका असर पड़ सकता है।

ईरान में जश्न, लेकिन युद्ध का खतरा अब भी बरकरार: अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के बाद ईरान में जश्न का माहौल है। तेहरान में लोगों ने ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर विरोध जताया। ईरान के नेताओं का मानना है कि यह हार अमेरिकी मतदाताओं का युद्ध के प्रति असंतोष का प्रमाण है। हालांकि, तेहरान को भी इस बात का भरोसा नहीं है कि चुनावी नतीजों से वाशिंगटन की रणनीति पूरी तरह बदल जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में स्वीकार किया कि ईरान युद्ध भी रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी हार की एक वजह रहा। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इससे भी स्पष्ट बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की हार की वजह युद्ध है।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने भी चुनावी नतीजों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सरकार अपने लोगों की इच्छा के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दबाव में काम करती है, तो उसे ईरान के कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने उन लोगों को गलत बताया है, जो मानते हैं कि अमेरिकी चुनाव के नतीजों से वाशिंगटन की



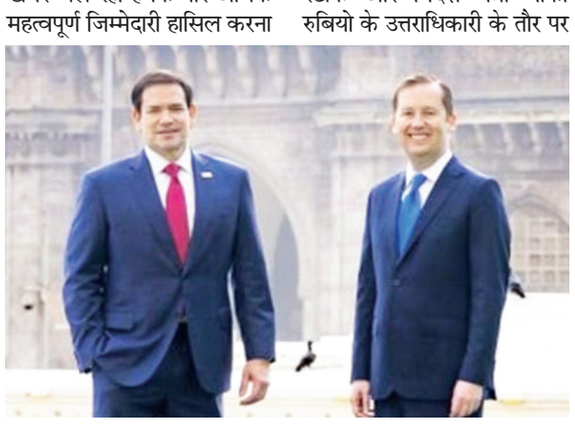
नीतियां बदल जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनका रुख अमेरिकी चुनावी नतीजों पर निर्भर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अलग-अलग मौकों पर ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर अलग-अलग संकेत दिए हैं। कुछ मौकों पर उन्होंने कड़े हमलों की संभावना जताई, जबकि दूसरी ओर तत्काल सैन्य कार्रवाई की योजना से इनकार भी किया। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के सामने अब दो रास्ते हैं। पहला, ईरान के साथ ऐसा समझौता करना जिसे वह अपनी जीत के रूप में पेश कर सकें। दूसरा, सैन्य दबाव बढ़ाकर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करना। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के अली वाएज के मुताबिक, चुनावी हार के बाद ट्रंप के सामने अपनी राजनीतिक छवि बचाने की चुनौती है। ऐसे में कमजोर राजनीतिक स्थिति से उबरने के लिए सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनना क्षेत्र के लिए खतरनाक हो सकता है।

दूसरी ओर, कूटनीतिक बातचीत की संभावनाएं भी बनी हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कतर के मध्यस्थों के जरिए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है। ईरान ने पहले होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के बदले अपनी सात शर्तों पर अमेरिकी सहमति की पेशकश भी की थी। अमेरिकी चुनाव के नतीजे इस्राइल के लिए भी चिंता का विषय बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव के दिन ट्रंप की ओर से इस्राइल को अमेरिकी सैन्य सहायता बंद करने की घोषणा ने पहले ही हलचल पैदा कर दी थी। इसके बाद डेमोक्रेट्स के मजबूत प्रदर्शन ने इस्राइल की चिंताएं और बढ़ा दी हैं। दरअसल, अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाले समर्थन को लेकर दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के भीतर मतभेद बढ़ रहे हैं। गाजा युद्ध में बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेता इस्राइल की सैन्य कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं का भी मानना है कि अमेरिका इस्राइल को जरूरत से ज्यादा समर्थन दे रहा है। वह संसद में अपना बहुमत खो चुके हैं। उनके प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट के पास भी सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत नहीं है। ऐसे में इस्राइल की आंतरिक राजनीतिक स्थिति भी अनिश्चित बनी हुई है। इस्राइल की वामपंथी डेमोक्रेट्स पार्टी के नेता यायर गोलान ने चेतावनी दी है कि देश के पास प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से बचने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

चुनावी हार के बाद ट्रंप कर सकते हैं बड़ा फेरबदल: रुबियो की जगह लेंगे सर्जियो गोर, अमेरिकी मीडिया में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। द वॉशिंगटन सन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के करीबी गोर को सरकार में किसी वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया जा सकता है। रिपोर्ट में 10 लोगों के हवाले से बताया गया है कि गोर मिडटर्म चुनाव के बाद अपनी भूमिका को और बड़ा करने की तैयारी कर रहे हैं। वह पहले व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सहयोगी के तौर पर काम कर चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति के करीबी लोगों के बीच गोर का नाम दूसरे कार्यकाल के शेष समय में किसी वरिष्ठ प्रशासनिक पद के लिए चर्चा में है। विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच भी यह खबरें चल रही हैं कि गोर अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हासिल करना



चाहते हैं। मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने द वॉशिंगटन सन से कहा, 'वह ऐसी भूमिका चाहते हैं, जिसमें उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ज्यादा हो।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गोर का नाम व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उत्तराधिकारी के तौर पर भी सामने आया है। इसके अलावा, वह विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री क्रिस लैंडौ की जगह लेने जैसे दूसरे वरिष्ठ पदों पर भी विचार कर सकते हैं। गोर ने अटकलों को बताया बकवास

हालांकि, सर्जियो गोर और अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों ने इन खबरों को खारिज किया है। गोर ने द वॉशिंगटन सन को दिए बयान में कहा, यह खबर पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा, 'सेक्रेटरी मार्को रुबियो ने साबित किया है कि वह इतिहास के सबसे योग्य, उपलब्धियां हासिल करने वाले और महान विदेश मंत्री हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। वह मेरे प्रिय मित्र हैं और भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में हर दिन उनके साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह जीवन का एक सच्चा सम्मान है। मुझे किसी दूसरी भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि गोर की किसी दूसरे पद में रुचि नहीं है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव: नतीजों के बाद ईरान में जश्न, तेहरान में ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन; पोस्टर जलाए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके के बाद ईरान में भी इसका असर देखने को मिला। राजधानी तेहरान में लोगों ने ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। ईरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने अमेरिकी और इस्राइली नेताओं की तस्वीरें जलाकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों के बीच अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह नजर आया। अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव और बढ़ती महंगाई भी अहम मुद्दे रहे। चुनाव के दौरान पेट्रोल और रोजमर्रा की जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों को लेकर मतदाताओं में नाराजगी थी। विपक्षी डेमोक्रेट्स ने इन मुद्दों को जोर-शोर से उठाया, जिसका उन्हें चुनाव में फायदा मिला। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी मतदाताओं की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। चुनावी नतीजों ने साफ कर दिया कि विदेश नीति और घरेलू अर्थव्यवस्था के मुद्दे अमेरिकी राजनीति में किस तरह असर डाल सकते हैं। चुनाव में हार के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। डेमोक्रेट्स की ओर से महाभियोग लाए जाने की संभावना पर भी ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी चिंता नहीं है और अगर विपक्ष ऐसा कदम उठाता है तो उसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार ठहराया। उनका मानना है कि युद्ध और उससे जुड़ी आर्थिक परेशानियों ने मतदाताओं के फैसले को प्रभावित किया।

वेतन बढ़ाने की मांग पर कपड़ा मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस से झड़प के बाद 100+ फैक्ट्रियां बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कपड़ा उद्योग के मजदूरों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। बुधवार को राजधानी ढाका और आसपास के औद्योगिक इलाकों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। कई दिनों से जारी आंदोलन के कारण देश की सैकड़ों गारमेंट फैक्ट्रियों में कामकाज ठप हो गया है। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन मौजूदा 12,500 टका से बढ़ाकर 30,000 टका किया जाए। उनका कहना है कि महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने उनकी आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा दिया है। लगातार विरोध के चलते बांग्लादेश के प्रमुख कपड़ा औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

बांग्लादेश के गारमेंट उद्योग में करीब 40 लाख लोग काम करते हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं, जो ग्रामीण इलाकों से आकर फैक्ट्रियों में रोजगार करती हैं। मजदूरों का कहना है कि मौजूदा 12,500 टका का न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ती महंगाई के बीच पर्याप्त नहीं है। इसलिए वे इसे बढ़ाकर 30,000 टका करने की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, खाने-पीने की चीजों,



आवास और अन्य जरूरी सामानों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में मौजूदा वेतन से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कई दिनों से राजधानी ढाका में प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का आंदोलन बुधवार को आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों तक फैल गया। नारायणगंज जिले के फतुल्लाह इलाके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस दौरान कई दर्जन लोग घायल हुए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार, पुलिस ने फतुल्लाह में कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया। वहीं, गाजीपुर जिले में मजदूरों ने एक प्रमुख राजमार्ग को जाम कर दिया। इससे यातायात पर भी असर पड़ा।

अशुलिया में करीब 100 फैक्ट्रियां बंद

मजदूर आंदोलन का असर बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग पर साफ दिखाई दे रहा है। ढाका के पास सावर क्षेत्र के अशुलिया में करीब 100 फैक्ट्रियां बंद रहीं। अशुलिया इंडस्ट्रियल पुलिस के अधीक्षक मोमिनुल इस्लाम भुइयां ने बताया कि इलाके में लगभग 100 कारखानों का कामकाज बंद है। वहीं, राजधानी ढाका के मीरपुर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। यह क्षेत्र पिछले कुछ दिनों से मजदूरों के विरोध प्रदर्शन का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

40 अरब डॉलर का है बांग्लादेश का गारमेंट उद्योग

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में कपड़ा और परिधान उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस उद्योग से देश को सालाना करीब 40 अरब डॉलर का निर्यात राजस्व मिलता है। देश में लगभग 2,500 गारमेंट फैक्ट्रियां हैं और करीब 40 लाख कर्मचारी इस क्षेत्र से जुड़े हैं। ऐसे में मजदूरों का आंदोलन और फैक्ट्रियों का बंद होना उद्योग के उत्पादन और निर्यात गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

सरकार ने बनाया नया वेतन बोर्ड: मजदूरों की वेतन वृद्धि की मांग के बीच बांग्लादेश सरकार ने नया वेतन बोर्ड गठित किया है। इस बोर्ड को कर्मचारियों के वेतन से जुड़े मुद्दों पर फैसला करने की जिम्मेदारी दी गई है। वेतन बोर्ड के अध्यक्ष सैयद आजाद सुब्हानी ने कहा कि नए वेतनमान के तहत कर्मचारियों को जनवरी में पहली सैलरी मिलेगी।

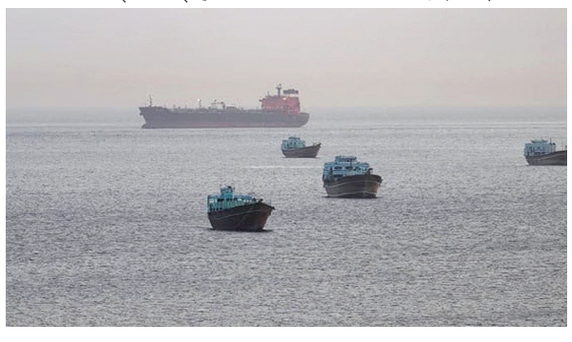
गोलीबारी से दहला अमेरिका: फ्लोरिडा में सिटीबैंक के ऑफिस कॉम्प्लेक्स में फायरिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में सिटीबैंक के बड़े ऑफिस कॉम्प्लेक्स में बुधवार को गोलीबारी की घटना हुई। इसमें संदिग्ध समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने पूरे परिसर को घेर लिया और इमारतों में तलाशी अभियान चलाया। इस कॉम्प्लेक्स में बैंक के हजारों कर्मचारी काम करते हैं। हिल्सबरो काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, बुधवार दोपहर गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार्यालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि पुलिस सक्रिय खतरे की सूचना पर पहुंची है और इमारतों को खाली कराकर तलाशी ले रही है। शेरिफ कार्यालय ने बताया कि संदिग्ध और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई है। हालांकि, तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो सका कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति घायल हुआ है या नहीं। शेरिफ चाड क्रोनिस्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारा मानना है कि यह किसी खास व्यक्ति या समूह को निशाना बनाकर की गई घटना है।' टैम्पा के उपनगरीय इलाके में स्थित सिटीबैंक के इस परिसर में तीन मंजिला चार ऑफिस बिल्डिंग हैं। इनमें बैंक के हजारों कर्मचारी काम करते हैं। गोलीबारी के बाद पुलिस ने परिसर में बड़ी संख्या में अधिकारियों को तैनात किया। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में कर्मचारियों की लंबी कतारें ऑफिस की इमारतों से बाहर निकलती दिखाई दीं। सिटीग्रुप ने बयान जारी कर कहा कि उसे परिसर में हुई घटना की जानकारी है और वह जांच में अधिकारियों का सहयोग कर रहा है।

ईरान को तेल प्रतिबंधों से बचाने का आरोप: भारत और तुर्किये की कंपनियों पर लगा बैन, अमेरिका ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के तेल कारोबार पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने में कथित तौर पर मदद करने के आरोप में भारत के एक कारोबारी, उनकी पत्नी और कई भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बुधवार को यह कार्रवाई की। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, भारत में रहकर काम करने वाले सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद एक बड़े आपराधिक नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। आरोप है कि यह नेटवर्क ईरानी पेट्रोलियम ले जाने वाले जहाजों को फर्जी झंडे और समुद्री प्रमाणपत्र उपलब्ध कराता था। इससे प्रतिबंधित जहाज अपना परिचालन जारी रख पाते थे। इनमें ईरान की सेना और उसके सहयोगी संगठनों की ओर से संचालित जहाज भी शामिल थे। अमेरिका ने यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत की है। इस अभियान का मकसद ईरान को तेल निर्यात और अन्य आर्थिक गतिविधियों से होने वाली कमाई से रोकना है।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भारतीय नागरिक अश्वनी कुमार धीमान और इशविंदर सिंह के नाम भी प्रतिबंधित लोगों की सूची में शामिल किए हैं। मंत्रालय के अनुसार, ये दोनों शर्मा के नेटवर्क से जुड़ी कंपनियों में निदेशक के तौर पर काम करते थे। इसके अलावा नेटवर्क से जुड़ी भारत स्थित नौ कंपनियों और संस्थाओं पर भी कार्रवाई की गई है।



अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शर्मा और शाहिद ने समुद्री धोखाधड़ी के जरिए ईरान के गुप्त तेल परिवहन नेटवर्क यानी 'शैडो फ्लीट' को मदद पहुंचाई। आरोप है कि उनके नेटवर्क ने प्रतिबंधित जहाजों को फर्जी झंडे और प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, शर्मा और शाहिद चंडीगढ़ से इस नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। आरोप है कि उन्होंने कई देशों के अधिकारियों की पहचान का इस्तेमाल कर फर्जी समुद्री रजिस्ट्रियां तैयार कीं। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, दंपती ने ऐसी वेबसाइटें बनाईं, जिन पर दावा किया जाता था कि वे अलग-अलग देशों की ओर से जहाजों का पंजीकरण, झंडा उपलब्ध कराने, नाविकों को प्रशिक्षण देने और जहाजों के वर्गीकरण जैसी सेवाएं देती हैं। हालांकि, संबंधित देशों ने उन्हें ऐसी सेवाएं देने की अनुमति नहीं दी थी। आरोप है कि यह गतिविधियां 2014 में शुरू हुई थीं। उस समय दंपती ने कैरेबियाई देश डोमिनिका के समुद्री झंडा पंजीकरण प्राधिकरण के रूप में खुद को पेश करने की कोशिश की थी। 2023 में शर्मा ने सिंगापुर में एस्वातिनी मैरीटाइम अफेयर्स एंड इंटरनेशनल शिप रजिस्ट्री पीटीई लिमिटेड नाम से एक कंपनी स्थापित की। एस्वातिनी के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इस संगठन से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया था। इसके बावजूद आरोप है कि यह संगठन ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों को पंजीकरण सेवाएं देता रहा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ऐसी कई वेबसाइटों की भी पहचान की, जो अरूबा, गुयाना, माली, मोजाम्बिक, मलावी, सिंट मार्टेन और तिमोर-लेस्ते की ओर से समुद्री पंजीकरण सेवाएं देने का दावा करती थीं।

रूस-यूक्रेन युद्ध होगा खत्म: एक हफ्ते के भीतर अमेरिका समेत तीनों देश करेंगे बातचीत, जेलेंस्की ने दी जानकारी

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन, अमेरिका और रूस के बीच एक सप्ताह के भीतर अधिकारियों के स्तर पर त्रिपक्षीय बातचीत हो सकती है। जेलेंस्की ने यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बातचीत के बाद दी। उन्होंने बताया कि दोनों अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ उनकी करीब डेढ़ घंटे तक विस्तार से चर्चा हुई। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अभी स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ हमारी करीब डेढ़ घंटे तक बहुत विस्तार से बातचीत हुई। हम यूक्रेन, अमेरिका और रूस के बीच टीम स्तर पर त्रिपक्षीय बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। यह बातचीत एक सप्ताह से भी कम समय में होगी।'

जेलेंस्की ने बताया कि ब्रसेल्स में भी एक अहम बैठक हुई। इसमें यूक्रेन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, नाटो, विश्व बैंक और वैश्विक कारोबारी समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को ब्रसेल्स में एक और बैठक प्रस्तावित है। इसमें यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी से जुड़े मुद्दों पर विचार किया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा, 'युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए बातचीत पूरी गति से आगे बढ़नी चाहिए। यूक्रेन जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार है। हमारे प्रस्ताव स्पष्ट हैं और हमने उन्हें अमेरिकी पक्ष को सौंप दिया है।' जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में हवाई सुरक्षा भी अहम प्राथमिकता रही। उन्होंने रूस के हमलों से आम नागरिकों की जान बचाने के लिए पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के इंटरसेप्टर उपलब्ध कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा, 'हवाई सुरक्षा हमारी अहम प्राथमिकता है और हमने इस पर भी चर्चा की। रूस के हमलों से लोगों की जान बचाने के लिए हमें पैट्रियट सिस्टम के इंटरसेप्टर की जरूरत है।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय बातचीत जारी रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रस्तावित ड्रोन समझौते के तहत सहयोग



आगे बढ़ाने की बात कही। साथ ही यूक्रेन की स्वतंत्रता और कूटनीतिक प्रयासों के लिए अमेरिकी समर्थन का आभार जताया। जेलेंस्की ने कहा, 'शांति का कोई विकल्प नहीं है और युद्ध के बाद सुरक्षा की गारंटी बेहद मजबूत होनी चाहिए। हम इसे सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।' यह कूटनीतिक पहल ऐसे समय हो रही है, जब यूक्रेन के अलग-अलग इलाकों में रूस के हमले जारी हैं। इससे पहले 3 नवंबर को जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूस के बड़े पैमाने पर रातभर किए गए हमले में कम से कम 29 लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए।

उनके मुताबिक, रूसी सेना ने यूक्रेन पर 289 हमलावर ड्रोन, 17 बैलिस्टिक मिसाइलें और 59 क्रूज मिसाइलें दागीं। इन हमलों का मुख्य निशाना ऊर्जा ढांचा था। इसमें बिजली उत्पादन केंद्र और सबस्टेशन भी शामिल थे। ओडेसा, चेरकासी, झितोमिर, विनित्सिया, खार्किव, निप्रो, चेर्निवत्सी, चेर्निहाइव और रिव्ने समेत कई क्षेत्रों में आपात बिजली कटौती की सूचना मिली थी।वॉशिंगटन यूक्रेन और रूस के बीच अधिकारियों के स्तर पर बातचीत कराने में मध्यस्थता करेगा।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी। स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी। कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी। कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया। इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह

2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।

कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।

यूईएफए चैंपियंस लीग

कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया



लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं। ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।



और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया। उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था। वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया। टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है। भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।



'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।



सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प - रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने Cricbuzz पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

- **मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?** - रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'
- **कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल** - रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं।'
- **मुंबई इंडियंस में रहकर भी कप्तानी न करें हार्दिक** - रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।'

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्चूयूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे। खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।' इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया।



पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है। तारा 'विमेंस हंड्रेड' के पहले सीजन में ल्यूक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी कारण उनकी टीम में ल्यूक विलियम्स का असर अभी से दिखने लगा है।' खिलाड़ियों की नई लिस्ट में मुकुंद का ध्यान विशेष रूप से तारा नॉरिस पर गया। उनके आने से एमआई को अपनी विदेशी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन तय करने में ज्यादा लचीलापन मिलेगा। पूर्व क्रिकेटर का मानना ??है कि तारा नॉरिस का 'एसोसिएट नेशन' से होना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि इससे फ्रेंचाइजी को डब्ल्यूपीएल के नियमों के तहत एक अतिरिक्त विदेशी खिलाड़ी को मैदान पर उतारने का मौका मिल सकता है। तारा के आने से टीम चयन को लेकर वह उलझन भी दूर हो गई है, जिसने पिछले सीजन में एमआई के विकल्पों को सीमित कर दिया था - खासकर तब, जब उन्हें शबनीम इस्माइल को अपनी अन्य विदेशी स्टार खिलाड़ियों के साथ टीम में शामिल करना होता था। मुकुंद ने आगे कहा, 'तारा के जुड़ने से एमआई के पास अब यह विकल्प है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में शबनीम इस्माइल को खिलाने के लिए मजबूर न होना पड़े। पिछले साल यह उनके लिए एक बड़ी समस्या थी, क्योंकि वह अपने चार विदेशी खिलाड़ियों का सही चयन नहीं कर पा रहे थे।



वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा, तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़े

निंगबो,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया। इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

